संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 297
पृष्ठ 8
शनिवार
19 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अब अंतरिक्ष में भी शानदार कैरियर...

विचार- विदेशी मोर्चे पर भारत को दोहरा...

खेल- अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी...

मोदी ने किया बिहार में 7200 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास

मोतिहारी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में राज्य की सड़क, रेल, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी 7200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां आयोजित समारोह में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग–319 के आरा बाईपास के 4–लेन निर्माण की आधारशिला रखी। यह आरा–मोहनिया राष्ट्रीय राजमार्ग–319 और पटना–बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग–922 को जोड़ता है, जिससे निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और यात्रा का समय कम होगा। प्रधानमंत्री ने 820 करोड़ रुपये से अधिक लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग–319 के परिया से मोहनिया खंड के 4–लेन का भी उद्घाटन किया। यह राष्ट्रीय राजमार्ग–319 का ही एक हिस्सा है जो आरा शहर को राष्ट्रीय राजमार्ग–02 (स्वर्णिम चतुर्भुज) से जोड़ता है। इससे माल और यात्री यातायात में सुधार होगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग–333 सी पर सरवन से चकाई तक पक्की सड़क के साथ 2–लेन

का निर्माण की आधारशिला रखी। इसके राजमार्ग के बनने पर माल और लोगों की आवाजाही सुगम होगी और बिहार और झारखंड के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री ने दरभंगा में भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) सुविधा और आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पटना में निर्मित एसटीपीआई की अत्याधुनिक इनक्यूबेशन केंद्र का उद्घाटन किया। यह केंद्र आईटी सॉफ्टवेयर और सेवा निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा। यह नवोदित उद्यमियों के लिए तकनीकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण भी करेगा, नवाचार, आईपीआर और उत्पाद विकास को प्रोत्साहित करेगा। बिहार में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में श्री मोदी ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत स्वीकृत मत्स्य विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन किया। यह राज्य के विभिन्न जिलों में नई मछली हैचरी, बायोफ्लोक इकाइयों, सजावटी मछली पालन, एकीकृत जलीय कृषि इकाइयों और मछली चारा मिलों सहित आधुनिक मत्स्य पालन बुनियादी ढांचे बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) से नयी दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर) और मालदा टाउन से भागलपुर होते हुए लखनऊ (गोमती नगर) के बीच चार नयी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम) के तहत बिहार में लगभग 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपये की सौगात दी। इसमें महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर विशेष ध्यान देते हुए, 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जोड़ा गया है। कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी की गयी कई रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें समस्तीपुर–बछवाड़ा रेल लाइन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग शामिल है। वहीं 580 करोड़ रुपये की लागत से तैयार दरभंगा–थलवारा और समस्तीपुर–रामभद्रपुर रेल लाइन का दोहरीकरण,जो दरभंगा–समस्तीपुर दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कई रेल परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया, जिनमें पाटलिपुत्र में वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव हेतु रेल लाइन (114 किमी) पर स्वचालित सिग्नलिंग और 232 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले भटनी–छपरा ग्रामीण खंड में कर्षण प्रणाली का उन्नयन करना शामिल भी है। कर्षण प्रणाली के बुनियादी ढांचे को मज़बूत और ऊर्जा दक्षता को अनुकूलित करके ट्रेनों की गति बढ़ाई जाएगी। उन्होंने लगभग 4,080 करोड़ रुपये की लागत वाली दरभंगा–नरकटियागंज रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना भी शिलान्यास किया। पाटलिपुत्र कोचिंग कॉम्प्लेक्स में 283 करोड़ रुपये की लागत से वंदे भारत के रखरखाव केंद्र बनेगा। यहां वंदे भारत ट्रेनों के रोजाना रखरखाव के लिए अलग अलग प्रकार की पांच लाइनें बनायी जाएंगी। इसके निर्माण का टेंडर हो चुका है। श्री मोदी ने 53 करोड़ रुपये की लागत से तैयार समस्तीपुर–बछवारा के बीच स्वचालित सिग्नलिंग सिस्टम को राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही भटनी से छपरा (114 के एम पार्ट ऑटोमेटिक सिगनलिंग गोरखपुर कैंट–छपरा ग्रामीण रेल सेक्शन के बीच) के बीच 153 करोड़ रुपये की लागत वाली ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम की शुरुआत किया।

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत

सीएम योगी बोले- यह श्रद्धालुओं को बदनाम करने की कोशिश

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में बिरसा मुंडा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों पर जुबानी प्रहार करने वालों पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा कि कांवड यात्रा चल रही है। समाज के श्रमिक वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक लोग इसमें जुड़ते हैं। कोई भेदभाव नहीं, न जाति का भेद है न वर्ग का और न ही क्षेत्र का। हर– हर बम– बम बोलते हुए भक्ति भाव से चलते हैं। लेकिन इनका मीडिया ट्रायल होता है। बदनाम किया जाता है। ये मानसिकता भारत की विरासत को अपमानित करती है। कांवड़ियों को उपद्रवी कहना और अपमानित करना गलत है। कांवड़ियों को आतंकवादी बोला जाता है। विरासत और आस्था को अपमानित किया जाता है। मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो– तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से 'या अल्लाह' निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। सीएम ने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने जनजाति समुदाय को भारत से अलग करने और भड़काने का प्रयास किया है। भारत के खिलाफ षडयंत्र किए। ये वही समुदाय है जो भारत की आस्था का सदैव अपमान करते हैं। सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जो विरासत है वो हमें राष्ट्रीय एकता की उन्हीं चुनौतियों से जूझने के लिए राष्ट्रीय एकता प्रदान कर रहा है। उस प्रेरणा से हम कुछ सबक सीख सकें। उन्होंने ब्रिटिशर्स और जमींदारी के शोषण के खिलाफ आंदोलन किया था। अगर हम इससे कुछ सीख सकेंगे तो आपकी चुनौती कम होगी। सीएम ने कहा कि जौनपुर में जबरदस्ती ताजिया निकलते वक्त लोग हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। इसको लेकर विरोध करते हुए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। इस पर पुलिस द्वारा मुझसे पूछा गया कि क्या करना है तो मैंने कहा लाठी से मारकर बाहर निकालो। ये लातों के भूत बातों से नहीं मानते। एक भी जगह सोशल मीडिया पर विरोध नहीं किया, सिर्फ उन्होंने ही किया। मुहर्रम पर अस्त्र शस्त्र इस्तेमाल पर रोक लगा दी। सीएम योगी ने कहा कि सोशल मीडिया के फेक अकाउंट से जातीय संघर्ष बढ़ाने वालों से सुरक्षित रहना होगा। किसी गांव के किसी दो लोगों का मामला है तो उसके लिए प्रशासन है। लेकिन तुम वहां पर जबरदस्ती दारोगा की भूमिका में जाओगे तो पिटोगे। जो बीच में आकर जबरन करने का प्रयास करते हैं उनको रोकना चाहिए।

स्वर्ण मंदिर बम धमकी, श्री दरबार साहब को बम से उड़ाने की धमकी देनेवाला गिरफ्तार

अमृतसर, एजेंसी। पुलिस ने बताया कि पंजाब के अमृतसर स्थित सिखों के पवित्र तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की पांच धमकियों के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। आरोपी शुभम दुबे (24) को 14 जुलाई को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को भेजे गए पहले धमकी भरे ई–मेल के संबंध में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दुबे का लैपटॉप और फ़ोन ज़ब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुबे के पास बी.टेक की डिग्री है और वह कई कंपनियों में काम कर चुका है। कमिश्नर ने यह भी स्पष्ट किया कि दुबे का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। भुल्लर के अनुसार, दुबे को पंजाब पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट और केंद्रीय खुफ़िया एजेंसियों की मदद से पकड़ा गया। हालाँकि, उसे औपचारिक रूप से गिरफ़्तार नहीं किया गया है। भुल्लर ने इस गिरफ्तारी को आंशिक सफलता बताते हुए कहा कि जाँच जारी है और आने वाले दिनों में और प्रगति की उम्मीद है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को जनता से अफवाहों का शिकार न होने की अपील की और राज्य की सुरक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद, उन्होंने चंडीगढ़ में पुलिस महानिदेशक गौरव यादव सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने खुलासा किया कि सर्वोच्च गुरुद्वारा संस्था को 14 जुलाई से स्वर्ण मंदिर पर हमले की चेतावनी वाले पाँच धमकी भरे ईमेल मिले हैं। धामी ने सवाल उठाया कि क्या ये धमकियाँ किसी विक्षिप्त व्यक्ति का काम हैं या किसी व्यापक साज़िश का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि ऐसी धमकियाँ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं में भय फैलाने के लिए हो सकती हैं।

एक दिन के निलंबन के बाद 7,900 से अधिक तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू से अमरनाथ के लिए रवाना

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर घाटी में भारी बारिश और गंदेरबल ज़िले में बालटाल यात्रा मार्ग पर एक पत्थर गिरने से एक महिला की मौत के बाद गुरुवार को अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई थी। मार्ग पर हुए भूस्खलन में तीन अन्य लोग घायल भी हुए थे। यह पहली बार है जब 3 जुलाई से शुरू हुई यह यात्रा इस साल जम्मू से स्थगित की गई थी। अब एक दिन के

लिए स्थगित अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को फिर से शुरू हो गई और इसके साथ ही 7,900 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर के दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर में पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों से यात्रा पुनः शुरू हो गई है।

रॉबर्ट–प्रियंका के साथ हर साजिश के खिलाफ रहूंगा खड़ा : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा तथा उनके पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मोदी सरकार लगातार साजिश कर रही है और वह इसके विरुद्ध अपनी बहन और बहनोई के साथ खड़े रहेंगे। श्री गांधी का यह बयान प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) द्वारा श्री वाड्रा के खिलाफ हरियाणा में कथित जमीन घोटाले के मामले में गुरुवार को आरोपपत्र दायर किये जाने के संदर्भ में आया है। ईडी ने आरोप पत्र दायर करने के बाद ही श्री वाड्रा की करीब 36 करोड़ की संपत्तियां भी एटैच की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल से वाड्रा परिवार को इसी तरह के षडयंत्रों के तहत तंग किया जा रहा है, लेकिन उनका परिवार बहादुर है और वे हर साजिश के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे। श्री गांधी ने कहा, "मेरे बहनोई को पिछले दस वर्षों से यह सरकार परेशान कर रही है। यह ताज़ा आरोपपत्र उसी षडयंत्र का एक और हिस्सा है। मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूँ क्योंकि उन्हें दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न का एक और हमला झेलना पड़ रहा है।" उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि वे सभी किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करने की हिम्मत रखते हैं। वे बहादुर हैं और वे गरिमा के साथ हर साजिश का मुकाबला करते रहेंगे। आखिरकार सच्चाई की जीत होगी।" गौरतलब है कि श्री वाड्रा के खिलाफ गुरुग्राम जमीन घोटाले के मामले में ईडी ने एक मामला दर्ज किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

रांची में गिरी स्कूल की छत, एक व्यक्ति की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

रांची, एजेंसी। झारखंड के रांची में एक दुखद घटना घटी, जहाँ लगातार बारिश के बीच एक सरकारी स्कूल की इमारत की छत का एक हिस्सा गिर गया। अधिकारियों ने शुक्रवार (18 जुलाई) को इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

एक अन्य व्यक्ति के मलबे में दबे होने की आशंका है। मलबे में दबे व्यक्ति का पता लगाने और उसे सुरक्षित निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। एएसआई चंदू उरांव ने बताया, ष्बच्चे और बुजुर्ग उस दीवार के पास थे जिसका कोई खंभा नहीं था, जब वह ढह गई। दो लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेज दिया गया है।

एक व्यक्ति मलबे में दबा था और उसका शव यहाँ पड़ा है। सुखदेव नगर पुलिस थाने के प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मृतक एक बुजुर्ग व्यक्ति था जो स्कूल के बरामदे में सो रहा था, तभी छत का एक हिस्सा गिर गया।

अधिकारियों ने इमारत ढहने की घटना की जाँच शुरू कर दी है। कुमार ने कहा कि जैसे–जैसे स्थिति स्पष्ट होगी और बचाव कार्य जारी रहेंगे, आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

शिक्षक पर बच्चों के बाल काटने का आरोप, अभिभावक ने थाने में दी तहरीर

प्रयागराज। बहरिया बाजार स्थित शासकीय मदरसा गुलशने अजमेर के एक शिक्षक पर दो बच्चों के बाल काटकर मजाक उड़ाने का आरोप लगा है। अभिभावक ने थाने में तहरीर देकर बताया कि आहत बच्चे स्कूल जाने को तैयार नहीं। बहरिया बाजार स्थित शासकीय मदरसा गुलशने अजमेर के एक शिक्षक पर दो बच्चों के बाल काटकर मजाक उड़ाने का आरोप लगा है। अभिभावक ने थाने में तहरीर देकर बताया कि आहत बच्चे स्कूल जाने को तैयार नहीं। मऊआइमा थाना क्षेत्र के खोजापुर गांव निवासी इरफान खान के दो बच्चे बहरिया बाजार स्थित शासकीय मदरसा गुलशने अजमेर में पढ़ते हैं। बड़ा बेटा मोहम्मद अब्दुल रहमान खान कक्षा तीन और छोटा मोहम्मद अहमद रजा खान दो में पढ़ते हैं। बृहस्पतिवार को इरफान खान ने बहरिया थाने में अध्यापक कारी मोहम्मद आयूब की शिकायत की। शिक्षक पर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। शिकायत पर पुलिस जांच करने के लिए मदरसा पहुंची तो आरोपी शिक्षक नहीं मिले। थानाध्यक्ष बहरिया महेश मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोप सही मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। मदरसा के शिक्षक द्वारा बच्चों के बाल काटे जाने की जानकारी मिली है। यह गलत है ऐसा नहीं करना चाहिए। उनको हिदायत दी जाएगी। आदत में सुधार न होने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए अधिकारियों को लिखा जाएगा।

शादी रद्द होने पर पत्नी को भरण-पोषण का अधिकार नहीं, पत्नी को कोर्ट से नहीं मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि किसी शादी को शुरू से ही शून्य घोषित कर दिया जाता है, तो पति पर पत्नी को भरण-पोषण देने की जिम्मेदारी नहीं बनती। यह फैसला न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की एकल पीठ ने गाजियाबाद निवासी राजीव सचेदवा की याचिका पर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि किसी शादी को शुरू से ही शून्य घोषित कर दिया जाता है, तो पति पर पत्नी को भरण-पोषण देने की जिम्मेदारी नहीं बनती। यह फैसला न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की एकल पीठ ने गाजियाबाद निवासी राजीव सचेदवा की याचिका पर दिया।

याची ने 2015 में शादी की थी। मतभेदों के बाद पत्नी ने पति और उसके परिवार के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज कराए। बाद में पता चला कि पत्नी की पहले से शादी हो चुकी थी और उसने यह बात अदालत से छुपाई थी। इसके बाद पति ने हिंदू विवाह अधिनियम के तहत शादी को अमान्य घोषित करने के लिए आवेदन किया जिसे स्वीकार कर लिया गया। इसके बावजूद, घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत पत्नी को 10 हजार रुपये प्रति माह का भरण-पोषण दिया गया। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद भरण पोषण के आदेश को रद्द कर दिया। कहा कि पहली शादी के रहते दूसरी शादी कानून के खिलाफ और शून्य है। जब शादी को शून्य घोषित कर दिया जाता है तो दोनों पक्षों के बीच कोई कानूनी संबंध नहीं रह जाता और ऐसे में भरण-पोषण का आदेश वैध नहीं है।

डूंगरपुर मामले में आजम खां की याचिका पर अब सुनवाई 31 जुलाई को

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा नेता आजम खां की डूंगरपुर मामले में दाखिल आपराधिक याचिका पर अब 31 जुलाई को सुनवाई होगी। इसी मामले में ठेकेदार बरकत अली ने भी आपराधिक अपील दाखिल की है। दोनों की अपीलों पर हाईकोर्ट में एक साथ सुनवाई चल रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा नेता आजम खां की डूंगरपुर मामले में दाखिल आपराधिक याचिका पर अब 31 जुलाई को सुनवाई होगी। इसी मामले में ठेकेदार बरकत अली ने भी आपराधिक अपील दाखिल की है। दोनों की अपीलों पर हाईकोर्ट में एक साथ सुनवाई चल रही है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ मामले में सुनवाई कर रही है। रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने 30 मई 2024 को आजम खां को इस मामले में 10 साल की सजा सुनाई थी। इसी सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। डूंगरपुर मामले में अबरार नाम के व्यक्ति ने अगस्त 2019 में रामपुर के गंज थाने में आजम खां, सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खां और ठेकेदार बरकत अली समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि दिसंबर 2016 में तीनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट, घर में तोड़फोड़, जान से मारने की धमकी दी थी।

इस मामले में एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने आजम खां को 10 साल और बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई थी। डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के नाम पर इस बस्ती में रहने वाले लोगों ने लूटपाट, चोरी, मारपीट सहित अन्य धाराओं में रामपुर के गंज थाने में कुल 12 मुकदमे दर्ज कराए थे।

आचार संहिता के उल्लंघन पर प्रत्याशी का नामांकन व समर्थक का मताधिकार होगा निलंबित

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की चुनाव समिति ने आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने निर्देश जारी कहा है कि कोई प्रत्याशी या उसका समर्थक चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो प्रत्याशी का नामांकन रद्द कर दिया जाएगा। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की चुनाव समिति ने आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने निर्देश जारी कहा है कि कोई प्रत्याशी या उसका समर्थक चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो प्रत्याशी का नामांकन रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही समर्थक के मताधिकार को भी निलंबित कर दिया जाएगा। यह निर्णय बृहस्पतिवार को चुनाव समिति की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। चुनाव समिति ने पत्र जारी कर कहा कि लाउडस्पीकर या सार्वजनिक स्थानों पर भाषण व दावत का आयोजन प्रतिबंधित है। यदि कोई भी प्रत्याशी या उसका समर्थक इन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पोस्टर, पंफलेट व हैंडबिल के प्रयोग पर भी रोक है।

फिर बढ़ने लगा नदियों का जलस्तर, श्री बड़े हनुमान जी को फिर कराया स्नान

प्रयागराज। केन, बेतवा समेत अन्य नदियों में लगातार अधिक पानी छोड़े जाने से गंगा-यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार रात से फिर बढ़ने लगा। इससे कछार में बसे लोगों की चिंता बढ़ गई है। ऐसे में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शुक्रवार रात करीब दो बजे गंगाजी ने श्री बड़ हनुमान जी को फिर स्नान कराया।

केन, बेतवा समेत अन्य नदियों में लगातार अधिक पानी छोड़े जाने से गंगा-यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार रात से फिर बढ़ने लगा। इससे कछार में बसे लोगों की चिंता बढ़ गई है।

ऐसे में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। मंगलवार और बुधवार को गंगा-यमुना के जलस्तर में कमी दर्ज हुई थी। यमुना में दो सेमी प्रति घंटा से भी अधिक रफ्तार से जलस्तर नीचे जा रहा था। बृहस्पतिवार को दिन में भी यह सिलसिला जारी रहा था। इस वजह से बड़े हनुमान मंदिर से पानी निकलने के साथ कछारी इलाके की बस्तियों से भी पानी दूर जाने लगा था, लेकिन रात में दोनों नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी का सिलसिला फिर शुरू हो गया। देर रात गंगाजी एक बार फिर श्री बड़े हनुमान मंदिर पहुंचीं और बजरंग बलीको स्नान कराया।

हालांकि सिंचाई विभाग के अनुसार, जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। रात आठ बजे की रिपोर्ट के अनुसार नैनी में यमुना के जलस्तर में 0.25 सेमी प्रति घंटे से बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं फाफामऊ में गंगा का जलस्तर स्थिर रहा, लेकिन आगे के आसार अच्छे नहीं हैं। सिंचाई विभाग के अफसरों के अनुसार, केन में 55052 क्यूसेक पानी आ रहा है उसके जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। यमुना में भी बांदा के चिलाघाट पर जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रही।

मध्य प्रदेश की अन्य नदियों में भी यही स्थिति रही। इससे प्रयागराज में भी यमुना नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। इसके अलावा पहाड़ों के साथ प्रदेश के बड़े इलाके में मूसलाधार बारिश जारी है। मौसम विभाग की ओर से अगले दो दिनों तक तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से गंगा के जलस्तर में भी बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।

डीएम ने राहत शिविरों में देखी व्यवस्था

नदियों के जलस्तर में एक बार फिर बढ़ोतरी और बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। डीएम ने बखशी बांध पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने छोटा बघाड़ा, सलोरी, अशोक नगर आदि क्षेत्रों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बघाड़ा एनी बेसेंट स्कूल तथा अशोक नगर के ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए बाढ़ राहत शिविरों का भी निरीक्षण किया और सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम सदर अभिषेक सिंह समेत अनेक अफसर मौजूद रहे।

रात आठ बजे जलस्तर और बढ़ोतरी

नैनी (यमुना) – 81.13 मीटर, बढ़ोतरी चार घंटे में एक सेमी

फाफामऊ (गंगा) – 81.43 मीटर, स्थिर

छतनाग (संगम के बाद गंगा) – 80.60, बढ़ोतरी चार घंटे में 19 सेमी

नकल करने पर उम्रकैद की सजा, एक करोड़ का जुर्माना, 27 को यूपीपीएससी की सबसे बड़ी परीक्षा

प्रयागराज। आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए 1076004 अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। आयोग के इतिहास की यह सबसे बड़ी परीक्षा होगी। पहली बार इस परीक्षा के लिए प्रदेश के सभी जिलों में कुल 2382 केंद्र बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 के लिए अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र बृहस्पतिवार को जारी कर दिए। परीक्षा 27 जुलाई को एक सत्र में पूर्वाह्न 9रू30 से अपराह्न 12रू30 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं, परीक्षा में नकल करने या करात हुए पकड़े जाने पर अपराधी को आजीवन कारावास की सजा के साथ एक करोड़ का जुर्माना भी भरना होगा।

आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए 1076004 अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। आयोग के इतिहास की यह सबसे बड़ी परीक्षा होगी। पहली बार इस परीक्षा के लिए प्रदेश के सभी जिलों में कुल 2382 केंद्र बनाए गए हैं। आयोग के अनुसचिव ओंकार नाथ सिंह के अनुसार प्रवेश पत्र यूपीपीएससी की वेबसाइट ीजजचेरू//नचचेब.नच.दपब. पद पर उपलब्ध हैं।

अभ्यर्थियों को अपने ओटीआर नंबर से प्रवेश पत्र व अनुदेश डाउनलोड कर प्रवेश पत्र पर अंकित परीक्षा केंद्र पर नियत तिथि-समय पर दो फोटो और आईडी प्रूफ की मूल व छायाप्रति के साथ उपस्थित होना है। अभ्यर्थियों को केंद्र पर परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय से डेढ़ घंटे पहले प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 45 मिनट पहले प्रवेश बंद कर दिया जाएगा।

नकल करने पर एक करोड़ जुर्माना व आजीवन कारावास

पेपर लीक के कारण 11 फरवरी 2024 को आयोजित आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 निरस्त कर दी गई थी, जिसके बाद उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 को लागू किया गया था। इस बार गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के प्रावधान लागू किए गए हैं। अधिनियम के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या कराना, प्रश्न पत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करना अथवा प्रकट करने का षडयंत्र करना अपराध की श्रेणी में आते हैं। एक प्रकरणों में एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा, दोनों ही हो सकती है।

राजकीय महाविद्यालयों में प्रवक्ता संगीत वादन (सितार) के पदों पर भर्ती के लिए बृहस्पतिवार को प्रयागराज में स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की गई। यह भर्ती आठ साल पुरानी है, जिसका विज्ञापन वर्ष 2017 में जारी किया गया था। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के उप सचिव राजेश कुमार के अनुसार स्क्रीनिंग परीक्षा में 38.10 फीसदी अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

आधे शहर के दर्जनों मोहल्लों में घंटों गुल रही बिजली

प्रयागराज। बारिश और तेज हवा के कारण बृहस्पतिवार तड़के से आधे से अधिक शहर की बिजली गुल हो गई। कहीं फ्यूज और जंपर उड़ गए तो कहीं पेड़ गिरने से खंभे व तार क्षतिग्रस्त हो गए। केबल और फीडर में भी गड़बड़ी आने से अशोक नगर, दारागंज, जॉर्जटाउन, रामबाग, साउथ मलाका, राजापुर, तेलियरगंज और झलवा समेत अन्य मोहल्ले में घंटों आपूर्ति प्रभावित रही। ऐसे में लोगों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ा।

बृहस्पतिवार तड़के करीब पांच बजे से बारिश के साथ तेज हवा चलने से बिजली की लाइनों पर पेड़ गिरने और लोकल फॉल्ट का सिलसिला शुरू हो गया। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के मोड़ पर पेड़ गिरने से बिजली के तार तो टूटे ही, खंभे भी क्षतिग्रस्त हो गए। स्टेनली रोड, करेली में पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए। राजापुर और सादियाबाद समेत कई इलाकों में खंभे और लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई।

सर्कुलर रोड, घुंघरू चौराहा और पीपलगांव आदि जगहों पर पेड़ गिर गए। गौसनगर, कसारी-मसारी, कालिंदीपुरम और करैला बाग आदि जगहों पर पेड़ों की टहनियां तारों पर गिरीं, जिससे तार टूट गए।

पुराना कटरा, बेलीगांव, म्योराबाद, मम्फोर्डगंज, धूमनगंज, अलोपीबाग, राजापुर, अल्लापुर, लूकरगंज, शिवकुटी में भी फॉल्ट के चलते बिजली गुल रही। नेवादा के रहने वाले परीक्षित सिंह ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे ही मोहल्ले में बिजली काट दी गई जिससे पेयजल का संकट भी बना रहा। दोपहर करीब 2.30 बिजली चालू की गई।

400 केवीए का जल गया ट्रांसफॉर्मर

सिविल लाइंस में फीडर में गड़बड़ी आने से सुबह छह बजे से गुल हुई बिजली आपूर्ति 11 बजे के बाद चालू हुई। शिवाजी पार्क बहादुरगंज में जलभराव से अंडरग्राउंड केबल में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे यहां लगा 400 केवीए का ट्रांसफॉर्मर जल गया।

बारिश के चलते मिंटो पार्क से कई उपकेंद्रों में होने वाली आपूर्ति ट्रिप कर गई। इससे शहर का एक चौथाई हिस्सा रामभवन, बहादुरगंज, बतासा मंडी, मीरापुर, बलुआघाट, गऊघाट, कीडगंज, साउथ मलाका, बैरहना, जीरो रोड, मलाकराज आदि मोहल्ले में बिजली की आवाजाही लगी रही।

बजते रहे कंट्रोल रूम पर घंटी

विद्युत विभाग के कंट्रोल रूम में बुधवार देर रात से ही अगले दिन तक फोन की घंटी बजनी शुरू हो गई। हर किसी का यही सवाल था, बिजली कब आएगी। जवाब मिला कि तेज हवा, बारिश के चलते कटौती की गई है। कुछ ही देर बार आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। शहरी क्षेत्र के अलावा गंगापार और यमुनापार में भी बारिश और तेज हवा के कारण बिजली के खंभे व लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई।

बिजली गुल होने से बृहस्पतिवार सुबह पेयजल का संकट हो गया। काफी देर इंतजार के बाद बिजली आई तो राहत मिली। अक्सर बिजली कटौती की जाती है। – मनी साहू, करबला

बिजली कटौती का बहाना चाहिए। वैसे तो अक्सर बिजली कटती ही है लेकिन जब बारिश हो या फिर हवा चलती है तो तुरंत बिजली काट दी जाती है। – मनोहर लाल, चकिया

गर्मी में सही से बिजली नहीं मिल पाई है। अब बारिश में भी दिक्कत होने लगी है। अक्सर बिना कोई सूचना के बिजली कटौती कर दी जाती है। – अबरार अहमद, दायरा शाह अजमल, रानी मंडी

सुबह सोकर उठा तो बिजली नहीं थी। लगा थोड़ी देर में आ जाएगी लेकिन घंटों बिजली कटौती रही। इससे पेयजल का भी संकट बना रहा। बिजली कटौती में अक्सर मनमानी की जाती है। –सौरभ सिंह, राजापुर

लंबित मामलों में वकीलों से सीधे संपर्क नहीं कर पाएगी पुलिस

प्रयागराज। पुलिसकर्मी लंबित मामलों में वकीलों से सीधे संपर्क नहीं कर पाएंगे। यूपी सरकार इसके लिए शीघ्र ही दिशा-निर्देश जारी करेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जौनपुर में ग्राम सभा की जमीन पर अतिक्रमण से संबंधित एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने उक्त आशय का हलफनामा दाखिल किया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की पीठ ने की।

साल्वर बैठाने के आरोपी को नहीं मिली जमानत, कोर्ट ने कहा-धोखाधड़ी से प्रतिभा को नुकसान

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी से प्रतिभा और शिक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचता है। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) में सॉल्वर को अपनी जगह बैठाने के आरोपी को जमानत देने से इन्कार कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी से प्रतिभा और शिक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचता है। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) में सॉल्वर को अपनी जगह बैठाने के आरोपी को जमानत देने से इन्कार कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की पीठ ने कानपुर निवासी संदीप कुमार पटेल की जमानत अर्जी खारिज करते हुए दिया। कानपुर नगर स्थित हर मिलाप मिशन स्कूल में 15 दिसंबर 2024 को सीटीईटी के दौरान केंद्र के अधिकारियों ने कथित तौर पर पाया कि लोकेंद्र शुक्ला (कथित सॉल्वर) संदीप सिंह पटेल की जगह पर परीक्षा दे रहा है। जांच के बाद दोनों पर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम के तहत व अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया गया। याची संदीप सिंह पटेल ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की। वकील ने दलील दी कि आरोपी 14 से 17 दिसंबर के बीच अस्पताल में भर्ती था। उसके स्थान पर कौन परीक्षा दे रहा है, उसे कुछ भी जानकारी नहीं है। उसका सॉल्वर या उसके सहयोगियों के साथ कोई संबंध नहीं है। जमानत मिलती है तो वह इसका दुरुपयोग नहीं करेगा। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि परीक्षा से कुछ समय पहले संदीप और सह-आरोपी बृजेंद्र शुक्ला के बीच फोन पर बात हुई थी। बृजेंद्र ने ही संदीप के स्थान पर लोकेंद्र को बैठाया था। अदालत ने रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद पाया कि आरोपी वास्तव में बृजेंद्र के संपर्क में था। सह-आरोपी लोकेंद्र शुक्ला के कार्य से संदीप मुख्य लाभार्थी है। ऐसे में यह नहीं माना जा सकता है कि याची अपराध में शामिल नहीं है। कोर्ट ने इन तथ्यों के आधार जमानत देने से इन्कार कर दिया।

36 घंटे में 91 मिमी हुई बारिश, 60 किमी की रफ्तार से चली हवा

प्रयागराज। तेज हवाओं के साथ बृहस्पतिवार को पूरे दिन हुई बारिश ने मौसम का मिजाज बदलकर रख दिया। सुबह आठ से दोपहर तीन बजे तक 29 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि, 36 घंटे में 91.375 मिलीमीटर बारिश हुई है। इस दौरान 60 किलोमीटर की गति से तेज हवाएं चलीं। पिछले साल जुलाई महीने में 118.6 मिलीमीटर बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार प्रयागराज में इस वर्ष सामान्य से 46 फीसदी अधिक बारिश हुई है। बृहस्पतिवार को सुबह से शुरू हुई बारिश पूरे दिन होती रही। लगातार बारिश से बुधवार की अपेक्षा अधिकतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस की कमी आई। मौसम विभाग के अनुसार ओडिशा में हवा का दबाव कम होने का असर बिहार और उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिला। प्रयागराज में अगले दो दिन तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

गजब व्यवस्था: प्रयागराज जंक्शन पर शुल्क लेने के बाद भी वाहन की जिम्मेदारी नहीं

प्रयागराज। प्रयागराज छिवकी की तरह प्रयागराज जंक्शन के भी सिविल लाइंस साइड स्थित पार्किंग व्यवस्था को लेकर रेलवे की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। यहां पार्किंग शुल्क तो लिया जा रहा है लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी से रेलवे और ठेकेदार पल्ला झाड़ रहे हैं। यहां यात्रियों को जो वाहन पर्ची दी जा रही है उसमें स्पष्ट रूप से पार्किंग एट ओन रिस्क (स्वयं के जोखिम पर पार्किंग) लिखा हुआ है। इसे लेकर यात्रियों में भी नाराजगी है। खास बात यह है कि पिछले दिनों प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन की भी वाहन पार्किंग में वाहन खड़ा करने वालों को जो रसीद दी जा रही थीं उसमें भी पार्किंग एट ओनर रिस्क लिखा हुआ था। तब इस प्रकरण पर अधिवक्ता गोपाल जी खरे ने लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

जब खबर प्रकाशित हुई तब रेलवे ने मामले की जांच शुरू की। ठेकेदार को निर्देश दिया गया कि वह पार्किंग रसीद जारी करने वाले सॉफ्टवेयर का अपडेट करें। रेलवे प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया शुल्क लेने के बाद सुरक्षा की जिम्मेदारी से कोई पल्ला नहीं झाड़ सकता। फिलहाल अब रेलवे की कार्यशैली पर एक बार फिर से सवाल खड़े हुए हैं। प्रयागराज जंक्शन के सिविल लाइंस साइड में वाहन पार्किंग में जो पर्ची दी जा रही है उसमें पार्किंग एट ओनर रिस्क ही लिखा हुआ है। खास बात यह है कि छिवकी और प्रयागराज जंक्शन पर वाहन पर्ची देने वाली एक ही फर्म है। दोनों ही स्टेशन पर दी जाने वाली पर्ची पर फर्म का नाम ओम साई सिद्धि लिखा हुआ है। इस बारे में प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि अगर पर्ची पर पार्किंग एट ओनर रिस्क लिखा है तो यह गलत है। संबंधित फर्म से इस बारे में जवाब मांगा जाएगा। कहा जाएगा कि वाहन पर्ची से पार्किंग एट ओनर रिस्क हटाया जाए।

सीएम कर सकते हैं जिले के पहले फाइव स्टार होटल का उद्घाटन

प्रयागराज। ताशकंद मार्ग पर करीब 80 करोड़ की लागत से बना अत्याधुनिक प्रयागराज का पहला फाइव स्टार होटल 'वेलकम होटल' तैयार हो गया है। सीएम योगी 20 जुलाई को इसका उद्घाटन कर सकते हैं, हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय से अब तक आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। राज्य सरकार की पर्यटन नीति के अंतर्गत होटल को 25 प्रतिशत सब्सिडी भी दी जाएगी, जिससे होटल निवेशकों को प्रोत्साहन मिलेगा और पर्यटन ढांचे को मजबूती मिलेगी। डायरेक्टर अभिषेक जैन का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उद्घाटन कार्यक्रम को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर जेके अग्रवाल के अनुसार, वेलकम होटल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त 60 प्रीमियम कमरे, स्वीमिंग पूल, रूफ टॉप व्यूपॉइंट, हेल्थ क्लब, स्पा सेंटर, सैलून, ब्रेकरी, रेस्टोरेंट, कॉफी शॉप और बैंक्वेट हॉल जैसी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इस फाइव स्टार होटल से प्रयागराज को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और शहर की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। – अपराजिता सिंह, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी

राधा कृष्ण मंदिर में किया गया मीठे चावल का प्रसाद वितरण

मुजफ्फरनगरसभारत विकास परिषद मुजफ्फरनगर शाखा मेन द्वारा राधा कृष्ण मंदिर में किया गया सांस्कृतिक सप्ताह कार्यक्रम में मीठे चावल का प्रसाद वितरण व मंदिर की गई आरती इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित विनायक दुबे

शशिकांत मितल अचिन कंसल संदीप महेश्वरी अनुराग सिंघल शाखा संरक्षक हर्षवर्धन जैन अशोक सिंघल ओ डी शर्मा ब्रजेश आत्रेय आशु अग्रवाल अरुण मित्तल अनिल कुमार शर्मा, सुनीता शाह, वंदना शर्मा, सुखबीर सिंह तथा राजीव त्रिखा मनोज राठी मनीष गर्ग विनीत गुप्ता विनय गर्ग मनोज शर्मा नवनीत गुप्ता सचिव नीरज सिंघल कोषाध्यक्ष रहे व सभी सदस्यों व अतिथियों को शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा ने धन्यवाद दिया व बढ़ चढ़ कर हर कार्य में सभी सदस्यों को हिस्सा लेना चाहिए।

शिव भक्तों की सेवा में समर्पित मुज़फ्फरनगर: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुज़फ्फरनगर। जनपद में शिवभक्तों की सेवा को समर्पित भाव से कार्यरत जनता, प्रशासन और मीडिया की संयुक्त सहभागिता से कांवड़ यात्रा के लाइव टेलीकास्ट का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के युवा अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना ही सच्ची भक्ति है और जनपद का हर नागरिक इसमें सहयोग करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा को सफल बनाने में पुलिस प्रशासन के साथ–साथ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत सराहनीय है। यह जनपद कांवड़ यात्रा के मध्यांतर बिंदु के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जहां से यात्रा के कई मुख्य पड़ाव शुरू होते हैं। यह आयोजन यह सिद्ध करता है कि भक्ति, सेवा और सहयोग की भावना से ओतप्रोत मुज़फ्फरनगर कांवड़ यात्रा को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। लाइव टेलीकास्ट का उद्घाटन समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक एवं मनीष चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद रूप में लड्डू भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति एवं व्यापारी नेता उपस्थित रहे, जिनमें संजय मिश्रा, अरविंद जोहल, अंकुर दुआ, विक्की चावला, तरुण मित्तल, विकास मुंडे, भाजपा नेता राजकुमार सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। सभी ने कांवड़ यात्रा की सफलता हेतु एकजुटता और सौहार्द का संदेश दिया।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की जुलाई माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ हेमा पांडे तथा विशिष्ट अतिथि सुषमा सिंह उर्मी व रेखा श्रीवास्तव रहीं। यह काव्य गोष्ठी सायंकाल 5 बजे से 6.15 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुषमा सिंह उर्मी द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में हेमा पांडे,रेखा श्रीवास्तव, सुनीता गुप्ता, सुषमा सिंह ,पुष्पा सिंह, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका

ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया।

एक रहस्यमय जगह, तीन हजार साल पुरानी सभ्यता

लखनऊ, संवाददाता। नबाबों का शहर लखनऊ जो न सिर्फ अपने तहजीब के लिए जाना जाता है बल्कि यहां के खान– पान और यहां की फिजाओं में बहुत कुछ जस्ब है। यहां के लोग, उनकी तहजीब, उनकी तालीम पूरी दुनिया मानती है लेकिन इससे इतर इस शहर में कई ऐसी जगह भी है जो आज भी रहस्यमय और लोगों के लिए कौतूहल बना हुआ है। यहां की इमारतें अपने आप में एक रहस्य है। जहां खुदाई में 3000 साल पुरानी सभ्यता के अवशेष मिले हैं। यहां एक प्राचीन मंदिर और इमारतों के अवशेष भी मिले हैं, जो पूर्व–एनबीपीडब्ल्यू से लेकर मध्ययुगीन काल तक के सांस्कृतिक अनुक्रम को दर्शाते हैं।

भूजल सप्ताह 2025

जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित।।

सुहाना की अपील – भूजल का अतिदोहन न करें।।

बालिकाओं ने ली कसम, भूजल बर्बाद नहीं करेंगे हम

हर घर जल, भूजल।। डॉ. राजीव कुमार

फ्लायर्स के माध्यम से भूजल सप्ताह के विषय में किया गया प्रचार- प्रसार

मुजफ्फरनगर। भूजल क्विज प्रतियोगिता में सफल बालिकाओं को उपहार भेंट कर किया गया उनका उत्साहवर्धन जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन एवम मुख्य विकास अधिकारी कण्डारकर कमलकिशोर देशभूषण के मार्गदर्शन में ष्कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बुढानाष् मुज़फ्फर नगर में भूजल सप्ताह 2025 के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भूजल सप्ताह के अंतर्गत आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं को डॉ राजीव कुमार द्वारा भूजल के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

बालिकाओं को बताया गया कि भूजल, जिसे भूमिगत जल/भूगर्भ जल भी कहा जाता है, पृथ्वी की सतह के नीचे चट्टानों और मिट्टी के बीच के खाली स्थानों में पाया जाने वाला पानी है। यह एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है जिसका उपयोग पीने, सिंचाई और औद्योगिक प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है।

भूजल तब बनता है जब वर्षा का पानी, नदियों और झीलों का पानी, या अन्य सतह का पानी मिट्टी और चट्टानों के माध्यम से रिसकर नीचे चला जाता है। भूजल चट्टानों और मिट्टी के बीच के खाली स्थानों, जिन्हें जलभृत (नपमिते) कहा जाता है, में जमा होता है।

भूजल का उपयोग पीने के पानी, सिंचाई, औद्योगिक प्रक्रियाओं, और अन्य उपयोगों के लिए किया जाता है। भूजल एक नवीकरणीय संसाधन है, लेकिन नवीनीकरण की दर विभिन्न कारकों जैसे वर्षा, वाष्पीकरण, और भूजल निकासी पर निर्भर करती है।

भूजल पृथ्वी पर ताजे पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और जल चक्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भूजल का संरक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि अत्यधिक दोहन से जल स्तर में गिरावट, पानी की गुणवत्ता में कमी और अन्य पर्यावरणीय समस्याएं हो सकती हैं।

भारत दुनिया में सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है, जिसका 87: से अधिक उपयोग कृषि में होता है। भारत में भूजल स्तर में गिरावट एक गंभीर समस्या है, खासकर कुछ क्षेत्रों में, जहां अत्यधिक दोहन और प्रदूषण के कारण जल स्तर खतरनाक स्तर तक गिर गया है।

भूजल स्तर में गिरावट के मुख्य कारणों में अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, वर्षा की कमी, और शहरीकरण शामिल हैं। 'भूजल सप्ताह' जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ राजीव कुमार द्वारा किया गया।

उक्त जन जागरूकता कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री संदीप कुमार के नेतृत्व में विद्यालय वार्डन रश्मि रानी, शिक्षक पूनम शर्मा, सविता स्वामी, नेहा, वर्षा एवं कोमल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय वार्डन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

सांसद इकरा हसन के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पंकज मलिक

इकरा हसन का अपमान करना लोकतंत्र का अपमान: जिया चौधरी

समाजवादी पार्टी ने ज्ञापन देकर अपर जिलाधिकारी पर की कार्यवाही की मांग

मुजफ्फरनगर। कैराना लोकसभा सांसद इकरा हसन के साथ दुर्व्यवहार को लेकर समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट के नेतृत्व में सपा नेताओं कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए दुर्व्यवहार के आरोपी सहारनपुर एडीएम प्रशासन पर कार्यवाही हेतु राज्यपाल के नाम ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा।

राज्यपाल उत्तर प्रदेश को दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि कैराना लोकसभा से सपा सांसद इकरा हसन द्वारा जनप्रतिनिधि के तौर पर बात रखने पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहारनपुर के द्वारा महिला सांसद के साथ आचरण बहुत ही निंदनीय हैं। जो नौकरशाही के बेलगाम होने से जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाओं का उदाहरण है। ज्ञापन में दुर्व्यवहार के आरोपी एडीएम प्रशासन सहारनपुर पर दुर्व्यवहार एवं विशेष अधिकार हनन के लिए दंडात्मक कार्यवाही की मांग की गई।

ज्ञापन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट व चरथावल विधानसभा से समाजवादी पार्टी विधायक पंकज मलिक ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से अफसरों का दुर्व्यवहार जब इस तरह का है तो आम जनता से इनके व्यवहार का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। जनता की आवाज उठाने से ऐसी घटनाओं से जनप्रतिनिधियों को रोका नहीं जा सकता। सांसद इकरा हसन का अपमान पूरी तरह लोकतंत्र का अपमान है। अपमान के आरोपी अधिकारी पर सख्त कार्रवाई होनी जरूरी है। समाजवादी पार्टी इकरा हसन सांसद के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। सख्त कार्यवाही न होने पर समाजवादी पार्टी इस पर बड़ा आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

ज्ञापन देने के दौरान पूर्व मंत्री व समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव राजकुमार यादव समाजवादी राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मीरापुर हाजी लियाकत अली, पूर्व एमएलसी प्रत्याशी गौरव जैन,सपा प्रदेश सचिव चौधरी इलम सिंह गुर्जर प्रदेश सचिव विनय पाल सिंह प्रदेश सचिव ठाकुर सुखपाल सिंह,जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी, धर्मेंद्र सिंह नीटू, पवन बंसल, जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन,सपा अल्पसंख्यक सभा प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना नजर मौहम्मद, विधानसभा अध्यक्ष अकरम खान,सत्यदेव शर्मा, डॉ अविनाश कपिल,यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष राशिद मलिक,सपा नेता सलीम मलिक, सत्येंद्र पाल, इमलाक प्रधान, तहसीन मंसूरी,सपा सभासद अन्नू कुरैशी,सभासद शहजाद अहमद चीकू, सभासद हसीब राणा सभासद नदीम खान सपा नेता रमेशचंद शर्मा,नवाब इम्तियाज, अंजुम कमाल,चौधरी यशपाल सिंह, डॉ इसरार अल्वी,नदीम मलिक, शादाब राणा,रवि कुमार,शकील त्यागी,मीर हसन,हारून अली सिद्दीकी,बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव पूजा अंबेडकर, समाजवादी महिला सभा महानगर अध्यक्ष हिमानी सिंह,सपा सोशल मीडिया प्रभारी नावेद रंगरेज,पंकज सैनी, अनेश निर्वाल, फ़हीम अहमद,बालेंद्र मौर्य,रवि कुमार,हनीफ इदरीसी,रणवीर गुर्जर,वसीम इम्तियाज, सीमा गुप्ता,ममता माहेश्वरी,पुष्पा सैनी, शहजाद मलिक सहित अनेक पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में जश्न का माहौल, मेयर बोलीं उपलब्धि के लिए शहर को बधाई

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ ने देश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले स्वच्छ शहरों में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि का नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को जमकर जश्न मनाया गया। पूरे ऑफिस परिसर को फूलों से सजाया गया। रेड कारपेट बिछाई गई। गुब्बारे से दीवारें सजाई गई। रंगोली बनाई गई। मेयर सुषमा खर्कवाल और उनकी टीम का फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया। ढोल–नगाड़ों पर कर्मचारी थिरकते नजर आए। शहर में जगह–जगह मेयर के साथ में अवॉर्ड लेने वाली टीम का पार्षद और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा पिछले दो साल से लगातार लखनऊ में स्वच्छता की मुहिम चलाई जा रही थी। इससे लखनऊ को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसका सबसे बड़ा श्रेय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। उनके मार्गदर्शन में यह सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा लखनऊ के सफाई कर्मियों की भी विशेष भूमिका है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए 1200 ईवी गाड़ियां लगाई गईं। 150 मशीनों से रोड स्वीपिंग की गई। सभी के सामूहिक प्रयास से यह सफलता मिली है। सबसे अधिक उन मतदाताओं को बधाई, जिन्होंने 5 लाख 37 हजार वोट देकर विश्वास जताया था। लखनऊ को देशभर में तीसरी रैंक खास वजहों से मिली है। शहर में कचरे को गीले और सूखे में अलग–अलग करके इकट्ठा किया गया। इसके अलावा 'स्वच्छता ही सेवा', 'हर रविवार सफाई के नाम' अभियान चलाया। नगर निगम ने जीपीएस सिस्टम से लैस कचरा वाहनों, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और फीडबैक सिस्टम के जरिए से सफाई अभियान को ट्रैक किया। इसके साथ ही लखनऊ पूरी तरह से ओडीएफ यानी कि खुले में शौच से मुक्त हो चुका है, जो कि रैंकिंग में बड़ा पॉजिटिव पॉइंट बना। भारत सरकार हर साल स्वच्छ सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करती है। इसमें देश के शहरों को उनकी स्वच्छता के आधार पर रैंकिंग दी जाती है।

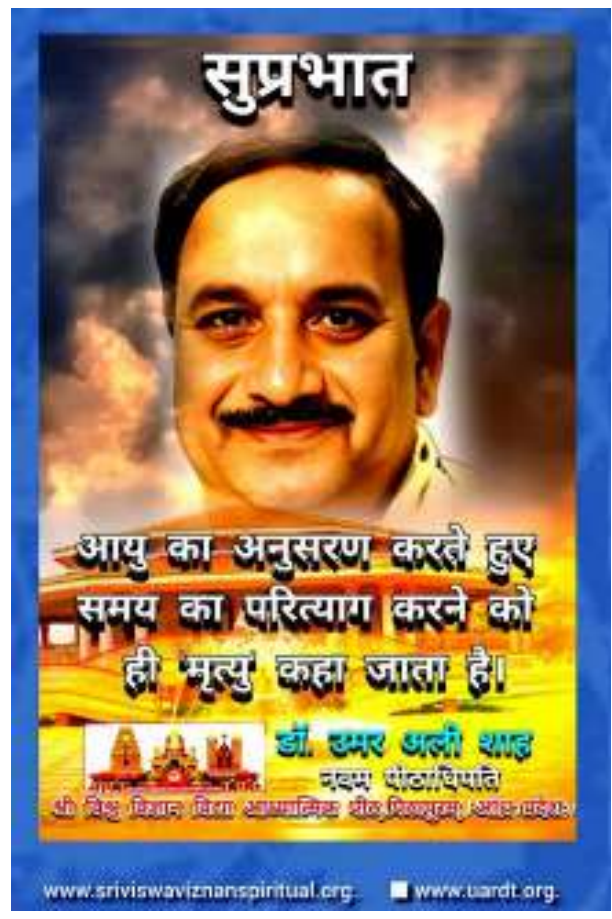

राजापुरी आम

(कुण्डलिया)

पूरा हिन्दुस्तान ही, जिसका पढ़े कलाम।
कहते हैं राजापुरी, है देशी वह आम।
है देशी वह आम,सुगंधित गूदा जिसका।
खट्टा–मीठा स्वाद, समाया जिसमें रहता।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता काम अधूरा।
कच्चा बने अचार, पके को खाते पूरा।।

खट्टे–मीठे स्वाद का, रेशे वाला आम।
कहते हैं राजापुरी, वज़न पाँच सौ ग्राम।
वज़न पाँच सौ ग्राम, सुगंधित गूदा इसका।
पकने पर है जिल्द, सुनहरा पीला जिसका।
सुन लो कहें प्रदीप,बने जब आम मसीहे।
सभी करे तारीफ,बता कर खट्टे–मीठे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

काव्य गोष्ठी का आयोजन

सहर समता,बिलासपुर ईकाई।

बिलासपुर, सहर समता बिलासपुर ईकाई , प्रदेश अध्यक्ष शोभा त्रिपाठी के द्वारा सावन के आगमन पर, स्थानीय एक होटल में, काव्य गोष्ठी का आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। सावन पर, इस आयोजन में कवयित्रियों ने विभिन्न विधाओं पर काव्य पाठ कर सावन का स्वागत किया। बड़ी संख्या में, हरे वस्त्रों में सजी, कवयित्रियों एवं ब्रम्ह वनिताओं ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। आमंत्रित कवयित्रिया, डा सुनीता मिश्रा, ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, विशिष्ट अतिथि रही डा उषा किरण बाजपेई, स्वागत उद्बोधन,दिया डा शोभा त्रिपाठी ने संचालन सहर अध्यक्ष डा संगीता बनाफर ने किया। डा रश्मि लता मिश्रा, रेणु बाजपेयी, ने सावन पर कजरी विधा से अपनी कविताओं को प्रस्तुत किया।। यह गरिमामयी कार्यक्रम बिलासपुर ईकाई से, प्रदेश अध्यक्ष, डा शोभा त्रिपाठी के द्वारा संपन्न हुआ, सहयोग, जिला अध्यक्ष डा संगीता बनाफर का रहा।

कोटेदारों की 30 हजार मानदेय और 2 सौ रुपए प्रति क्विंटल कमीशन दिया जाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को आदर्श कोटेदार एवं उपभोक्ता वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले कोटेदारों ने प्रदर्शन शुरू हो गया है। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए कोटेदार जवाहर भवन का घेराव करके हंगामा कर रहे हैं। सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। संगठन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र पटेल ने कहा कि 20 सितम्बर 2023 से लगातार संघर्ष जारी है। आंदोलन को बल देने के लिए अलीगढ़ से कोटेदार जनजागरण रथ यात्रा शुरू किया था। यात्रा कासगंज, एटा, हाथरस, आगरा, इटावा, औरैया, कन्नौज, हरदोई और लखनऊ समेत विभिन्न जिलों का भ्रमण करके सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। उसका भी कोई लाभ नहीं हुआ। सुभाष चंद्र पटेल ने बताया कि 30 सितम्बर 2023 को इको गार्डन लखनऊ में कोटेदार एवं उपभोक्ता जन जागरण सम्मेलन आयोजित किया गया था। उस समय खाद्य आयुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर कमीशन 200 रुपए प्रति क्विंटल किये जाने की मांग की गई थी। तत्कालीन अपर आयुक्त खाद्य ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कोटेदारों की मांग पूरा करने का आश्वासन दिया था। मगर अभी तक कमीशन बढ़ाए जाने के संबंध में कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शनकारी कोटेदारों ने बताया कि विगत 10 सालों से हम लोग मानदेय की मांग कर रहे हैं। कोटेदार पूरे प्रदेश में जरूरतमंदों तक राशन पहुंचाने का काम करते हैं मगर हमारी जरूरत को अनदेखा किया जा रहा है। फिलहाल प्रति कुंतल 90 रुपए कमीशन मिलता है जो बहुत कम है। इस कमीशन में परिवार का पेट पालना मुश्किल हो गया है। इसी में राशन की लोडिंग अनलोडिंग का खर्चा भी शामिल रहता है। सरकार को सोचना चाहिए कि तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं आम जनता तक पहुंचने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। हर घर राशन पहुंचाने का जिम्मा कोटेदारों ने उठाया है। मगर अपने परिवार कि रोटी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।प्रदर्शनकारियों ने जवाहर भवन के सामने हजरतगंज चौराहे की तरफ जाने वाली पूरी सड़क जाम कर दिया है। कोटेदार लगातार हंगामा और नारेबाजी कर रहे हैं। कोटेदारों की मांग है कि उन्हें लिखित में जब तक आश्वासन नहीं मिल जाएगा तब तक सड़क खाली नहीं करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

सम्पादकीय.....

ओडिशा में भाजपा की नाकामी

ओडिशा के बालासोर में फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज की बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद सोमवार रात भुवनेश्वर के एम्स में दम तोड़ दिया। 20 साल की इस छात्रा ने यौन उत्पीड़न के आरोपी एक प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कॉलेज परिसर में खुद को आग लगा ली थी। छात्रा ने इतना बड़ा कदम किसी भावावेश में नहीं उठाया, बल्कि उस छात्रा ने पहले ही अपनी व्यथा और हताशा जाहिर करते हुए चेतावनी दी थी कि अगर उसकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की गई तो वह आत्महत्या कर लेगी। इस से पहले पीड़िता ने अपने इलाके के सांसद प्रतापचंद सारंगी से भी शिकायत की थी। पीड़िता की मौत की बात सुनकर खुद भाजपा सांसद श्री सारंगी ने बताया है कि च्च्कुछ दिन पहले लड़की और उसकी दोस्तों ने मुझे घटना की जानकारी दी थी। मैंने प्राचार्य और एसपी से बात की। प्राचार्य ने कहा कि जांच समिति इस पर काम कर रही है और पांच दिनों में समाधान हो जाएगा। लड़की ने बताया था कि वह पहले भी आत्महत्या की कोशिश कर चुकी हैज् आज जब मैंने खबर सुनी, तो मैंने प्राचार्य को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठायाज् जब मैंने समिति की रिपोर्ट देखी, तो उसमें कई गलतियां थींज् मैंने उन्हें बताया कि आपकी जांच पूरी तरह पक्षपाती है। उनकी रिपोर्ट पीड़िता के बयान से बिल्कुल मेल नहीं खा रही है। भाजपा को और किसी की बात पर यकीन हो न हो, अपने सांसद की बात तो सुननी ही चाहिए। क्योंकि इस बारे में जब राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि पीड़िता की मौत भाजपा के सिस्टम की नाकामी की वजह से हुई है, तो केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान उल्टे राहुल गांधी पर आरोप लगा रहे है कि वे घटिया राजनीति कर रहे हैं। मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। यह भाजपा की ही सोच है, जिसमें पीड़ित के साथ खड़े होना या सरकार से सवाल उठाने को घटिया राजनीति कहा जाता है। मगर ऐसा करते हुए भाजपा भूल जाती है कि ऐसी राजनीति उसने तब खूब की है, जब वह विपक्ष में रहती है। दिल्ली के निर्भया कांड से लेकर प.बंगाल में आर जी कर की घटना तक या फिर राजस्थान में कांग्रेस सरकार के वक्त घटी ऐसी घटनाओं पर सीधे राष्ट्रपति शासन की मांग लगाकर भाजपा ने सरकारों पर सवाल उठाए हैं। ऐसा करने में कुछ गलत नहीं है, क्योंकि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार पर होती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बने इसमें भी सरकार की ही अहम भूमिका होती है। महिलाओं के लिए समाज में व्यापक तौर पर जो रूढ़िवादी और घृणित मानसिकता बनी हुई है, उसे रातोंरात तो खत्म नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसे में सरकारें चाहें तो थोड़ी सख्ती दिखाकर माहौल को सुधार सकती है। ओडिशा की भाजपा सरकार इस अपेक्षा पर ही खरी नहीं उतरी है। यहां पिछले एक साल में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे। अपने मित्र के साथ समुद्र किनारे घूमने आई युवती के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने भी राज्य को दहला दिया था, लेकिन उसके बाद कुछ और ऐसे ही मामले हुए। कुछ दिनों पहले ही राहुल गांध ी ने ओडिशा में एक सभा की थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ओडिशा में 40 हजार से ज्यादा महिलाएं गायब हो गई हैं, लेकिन आज तक किसी को नहीं पता कि यह महिलाएं कहां गईं। यहां महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है। ओडिशा में हर दिन 15 महिलाओं का रेप होता है, लेकिन यहां की सरकार को इससे कोई मतलब नहीं है। ये सरकार 24 घंटे सिर्फ आपकी जमीन छीनने का काम करती है। इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं– जब भी आपको मेरी और कांग्रेस पार्टी की जरूरत होगी, हम आपके साथ खड़े रहेंगे ।बता दें कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा में भारी भीड़ जुटी थी, इससे पहले भी अब भाजपाशासित राज्य ओडिशा में कांग्रेस काफी सक्रिय हो गई है। शायद यही वजह है कि अपनी एक और नाकामी पर अब भाजपा ने सुधार करने की जगह राहुल गांधी को निशाना बनाया है। लेकिन क्या इससे जनता को राहत मिलेगी, यह सवाल भाजपा को अपने आप से करना चाहिए। बालासोर घटना एक तरह से चेतावनी है कि सरकार आँखें खोलकर देखे कि किस तरह अपराधी बेखौफ हैं और मासूम लोग पीड़ित हो रहे हैं। यहां पीड़िता छात्रा ने 1 जुलाई से प्राचार्य और कॉलेज की आतंरिक शिकायत समिति के समक्ष शिकायत की थी। जब 12 दिनों तक उसकी शिकायत पर कोई काम नहीं हुआ और आरोप हैं कि इस बीच प्राचार्य ने कुछ छात्रों का समूह बनावकर उसे धमकाने की कोशिश की, और जिस शिक्षक पर आरोप लगा, वह भी मजे में घूमता रहा, तब जाकर हताश होकर उस छात्रा ने कॉलेज में ही खुद को आग लगा ली। उसे बचाने की कोशिश करने में एक छात्र भी बुरी तरह जल चुका है। बताया जाता है कि यह छात्रा संघ की विद्यार्थी शाखा अभाविप की सदस्या भी थी। हालांकि यौन उत्पीड़न का शिकार लोगों का धर्म, जाति या राजनैतिक विचारधारा देखने का कोई अर्थ नहीं है, क्योंकि यौन उत्पीड़न करना हर तरह से गंभीर अपराध है। लेकिन यहां छात्रा को जिस तरह अन्याय के बीच अकेला छोड़ दिया गया, उसमें न केवल भाजपा बल्कि अब अभाविप पर भी सवाल उठेंगे कि उसने अपनी एक सदस्या को इंसाफ दिलाने के लिए मोर्चा क्यों नहीं खोला। बहरहाल अब कांग्रेस और बीजद ने इस मामले में मोर्चा खोला है। बुधवार को विधानसभा के बाहर बीजद के लोग विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे तो उन पर पुलिस ने सख्ती दिखाई। ऐसी सख्ती पहले भी दिखाई जा चुकी है। लगता है अब मोहन मांझी सरकार का यही काम रह गया है कि वह विपक्ष का दमन करे और राज्य में होने वाले गंभीर अपराधों पर लीपापोती करे। फिलहाल सरकार ने प्राचार्य को निलंबित किया है, और जल्द इंसाफ करने का दावा किया है। लेकिन अब मोहन मांझी कुछ भी कर लें, उस युवती के प्राण वापस नहीं लाए जा सकते। जो तत्परता अब दिखाई जा रही है, 1 जुलाई के बाद उसका जरा सा अंश भी दिखाया जाता तो शायद एक उम्मीदों से भरी जिंदगी हमारे बीच होती।

राहुल गांधी पिछले एक साल में विपक्ष के एक प्रभावी नेता के रूप में उभरे

कल्याणी शंकर

2004 में राजनीति में प्रवेश करने के बाद से राहुल के राजनीतिक जीवन में सफलताओं और चुनौतियों का मिश्रण रहा है। साथ ही, विवादों ने उनकी जिम्मेदारियों के भार को रेखांकित किया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिछले एक साल से विपक्ष के नेता (एलओपी) हैं। इस भूमिका में, वह भारत की संसद में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वह सरकार को जवाबदेह ठहराते हैं और जनता के विचारों के पक्ष में बोलते हैं। हालांकि विपक्ष के नेता की भूमिका संविधान में नहीं है, लेकिन यह गांधी को वरिष्ठ नौकरशाहों और सरकारी अधिकारियों को चुनने और सरकार पर कड़ी नजर रखने में मदद करती है। वह विभिन्न संसदीय समितियों में भी शामिल हो सकते हैं। राहुल सरकार की शक्ति पर अंकुश लगाना चाहते हैं और जरूरत पड़ने पर कई विधायी कार्यों को सफलतापूर्वक रोक चुके हैं। हालांकि एक साल उनके प्रदर्शन का पूरी तरह से मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन यह उनकी नेतृत्व क्षमताओं का संकेत जरूर देता है। उनके प्रदर्शन का आकलन करते समय कई सवाल उठते हैं। विपक्ष के नेता के रूप में वे कितने प्रभावी रहे हैं? क्या वे एक अच्छे सांसद हैं? क्या वे सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में सफल रहे हैं? क्या उन्होंने बजट समीक्षा के प्रति अपनी पार्टी के दृष्टिकोण पर उल्लेखनीय प्रभाव डाला है? इसके अलावा, क्या उन्होंने इस दौरान एक आदर्श उदाहरण के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है? क्या वे संसद के भीतर और बाहर विपक्ष को एकजुट करने में सक्षम रहे हैं? आदि। 2004 में राजनीति में प्रवेश करने के बाद से राहुल के राजनीतिक जीवन में सफलताओं और चुनौतियों का मिश्रण रहा है। साथ ही, विवादों ने उनकी जिम्मेदारियों के भार को रेखांकित किया है। कभी–कभी उन्होंने संसद में धरना–प्रदर्शनों में विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व किया। फिर भी, कई महत्वपूर्ण मौकों पर वे अनुपस्थित रहे। राहुल ने कांग्रेस पार्टी में पार्टी–प्रमुख और वर्तमान में विपक्ष के नेता सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने पर्दे के पीछे काम किया है, पार्टी को जीत और हार के बीच मार्गदर्शन दिया है, जबकि 2004 से 2014 तक मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री पद नहीं लिया। समर्थकों का दावा है कि गांधी ने 18वीं लोकसभा के दौरान एक मजबूत विपक्ष का प्रभावी नेतृत्व किया है। गौरतलब है कि 2014 से 2024 के बीच किसी भी विपक्षी दल को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक 543 सीटों में से कम से कम 10प्रतिशत सीटें नहीं मिली थी। इसलिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उस एक दशक में यह पद रिक्त रहा। कम संख्या का मतलब स्थायी समितियों और प्रवर समितियों जैसी विभिन्न संसदीय समितियों में विपक्ष का प्रतिनिधित्व कम था। 2024 के चुनावों में, किस्मत ने कांग्रेस पार्टी का साथ दिया, जिसने 99 सीटें जीतकर एक पुनरुत्थान का संकेत दिया। भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट करने वाले इंडिया गठबंधन ने 234 सीटें हासिल कीं। भाजपा 240 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बहुमत से चूक गयी। उन्होंने सरकार बनाने के लिए जेडी(यू) और तेलुगु देशम पार्टी से समर्थन मांगा, जिससे अन्य दलों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाने की आवश्यकता पड़ी। लोकसभा में अपने पहले दिन, विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि सत्तारूढ़ गठबंधन को कानून के शासन का पालन करना चाहिए, जबकि विपक्ष को आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, जाति जनगणना और किसानों के संकट जैसे ज्वलंत मुद्दे उठाने चाहिए। गांधी के कदम व्यर्थ नहीं गये। उनके नेतृत्व ने, एक तरह से, मोदी सरकार को जाति जनगणना और लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक पर अपना रुख बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। ये केवल नीतिगत बदलाव नहीं हैं, बल्कि उनके नेतृत्व में आए महत्वपूर्ण बदलाव हैं, जो उनके प्रभाव के महत्व को रेखांकित करते हैं। भाजपा और सत्तारूढ़ गठबंधन राजनीतिक महत्व के मुद्दों पर अलग–अलग विचार रखते हैं। विरोधी राहुल की आलोचना करते हैं कि वे विपक्ष के नेता के रूप में अपने कर्तव्यों की अनदेखी करते हुए अक्सर विदेश जाते हैं। उन्होंने पिछले एक साल में 300 विदेश यात्राएं की हैं। पीआरएस के अनुसार, संसद में उनकी उपस्थिति 51 प्रतिशत रही, उन्होंने 8 बहसों में भाग लिया, 99 प्रश्न पूछे और कोई भी निजी विधेयक नहीं लाया। वे बताते हैं कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने कई राज्य खो दिये हैं। जोर–शोर से किये गये प्रचार के बावजूद, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर जाने के लिए राजी नहीं कर पाये। अडानी उनका एक और प्रिय विषय है, लेकिन उन्हें अभी तक सफलता नहीं मिली है। राहुल विपक्ष को एकजुट करने में पूरी तरह सफल नहीं रहे हैं। 2024 के चुनाव के बाद के परिदृश्य में उन्हें और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। चुनावों के बाद गठबंधन में दरार आ गयी थी। आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों की कांग्रेस से अलग राय थी। 2024 के राज्य विधानसभा चुनावों के बाद से, इंडिया गठबंधन टूटने लगा है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए बरकरार है। इसके अलावा, विपक्ष के नेता के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के सहयोगी राहुल के साथ थे, लेकिन वे उन्हें अपनी एकमात्र आवाज बनने देने से हिचकिचा रहे हैं। यह विभाजन विभिन्न क्षेत्रीय नेताओं के अहंकार को दर्शाता है, जो इस भूमिका में गांधी का समर्थन करने से हिचकिचा रहे हैं। विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में राहुल के सामने एक बड़ी चुनौती है। अपनी प्रभावशीलता दिखाने के लिए उनके पास अभी चार साल बाकी हैं। इंडिया गठबंधन में एकता बनाये रखने के लिए और ज़्यादा दलों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए, उन्हें अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ दोस्ताना व्यवहार करना होगा।

विदेशी मोर्चे पर भारत को दोहरा झटका

सर्वमित्रा सुरजन

मोदी सरकार से घर तो संभल नहीं रहा, विदेश नीति में भी नरेन्द्र मोदी पूरी तरह नाकाम हो चुके हैं, यह बात कई तरह से सामने आई है। लेकिन हाल में दो ऐसे वाकए वैश्विक स्तर पर हुए हैं, जो भारत के लिए चिंताजनक हैं। हालांकि इस बात की पूरी उम्मीद है कि मोदी सरकार या भाजपा के कट्टर समर्थक इन चिंताओं को हवा में उड़ाकर कह दें कि मोदी है तो मुमकिन है और उसके बाद सब चंगा सी। लेकिन इस रवैये से न उनका भला होगा, न देश का। जुमलों से राजनीति चल सकती है, चुनाव जीते जा सकते हैं, जनता का ध्यान भी भटकाया जा सकता है, लेकिन वैश्विक मंच पर जुमले कारगर नहीं होते, खासकर ऐसे वक्त में जब भारत को नीचा दिखाने के लिए लोग बरसों से तैयार बैठे हों। पहला प्रकरण यह है कि नाटो के प्रमुख मार्क रूट ने भारत को बाकायदा धमकी दी है कि अगर उसने रूस से व्यापार संबंध खत्म नहीं किए तो 100 प्रतिशत सैकेंडरी सेन्कशन्स यानी प्रतिबंध लग जाएंगे। दूसरा प्रकरण यह है कि चीन अब पाकिस्तान के साथ मिलकर दक्षिण एशियाई देशों के लिए कोई नया संगठन खड़ा करने की तैयारी में है। इस संगठन में भारत का कोई स्थान तो नहीं ही होगा, लेकिन नयी खतरनाक चुनौतियां रहेंगी, यह तय है। याद कीजिए राहुल गांधी ने संसद में कहा था कि मोदी सरकार की गलतियां चीन और पाकिस्तान को साथ ला रही हैं, अब वह आरोप सिद्ध होता दिख रहा है। 1947 में मिली आजादी के बाद ही भारत न केवल आर्थिक तौर पर अपने पैरों पर खड़ा होने के काम में जुट गया, बल्कि अपने जैसे कई और देशों का इकबाल बुलंद करने के लिए पं.नेहरू ने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया, जिसे तीसरी दुनिया के देशों ने हाथों–हाथ लिया। दूसरी तरफ पश्चिम का दबाव कम करने के लिए दक्षेस का गठन हुआ। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी दक्षेस यानी सार्क जब 1985 में बना तब उद्देश्य यही था कि इसमें शामिल सभी देश एक दूसरे के साथ सहयोग करते हुए आगे बढ़ेंगे। 2014 के पहले की तमाम सरकारों ने सार्क के महत्व को बनाए रखा। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध होने के बावजूद सार्क के खत्म होने की नौबत नहीं आई। 2014 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार पदभार ग्रहण किया तो सार्क देशों के प्रमुखों को न्यौता भेजकर यह जाहिर किया था कि वे भी अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों की राह पर चलकर विदेश नीति को वैसे का वैसा बनाए रखेंगे। लेकिन साल बीतते न बीतते श्री मोदी की अलग पहचान बनाने की ख्वाहिश ने ऐसा जोर पकड़ा कि अब सार्क पूरी तरह अप्रासंगिक हो गया है और इस शून्य को भरने के लिए चीन और पाकिस्तान नयी चाल चल रहे हैं। हाल ही में चीन के कुनमिंग शहर में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय बैठक हुई थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों को इस नए संगठन में शामिल होने का आमंत्रण देना था। हालांकि बांग्लादेश ने ऐसी किसी संभावना से इंकार किया है। लेकिन इस तथ्य को कैसे झुठलाया जा सकता है कि चीन के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश एक साथ बैठे, और भारत इसमें अलग–थलग रहा। शेख हसीना को अपदस्थ करने और मो.युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनने के बाद से ढाका से भारत के रिश्ते खराब हो रहे हैं। इधर पाकिस्तान के साथ तो बात लगातार बिगड़ ही रही है। अभी ऑपरेशन सिंदूर में जब पाकिस्तान हार की कगार पर था, एक तरफ से अमेरिका ने सीजफायर का ऐलान कर दिया और दूसरी तरफ से पाक को आधुनिक हथियार देने के लिए चीन भी आगे आया। इस महीने की शुरुआत में फिक्की के एक कार्यक्रम में भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन ने उसे हर संभव समर्थन दिया। पूरा देश बाकी है! पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध हमेशा तनावपूर्ण रहे हैं, और चीन भी पाक के जरिए भारत को घेरने की कोशिश करता रहा है, लेकिन यह सब इतने खुलेआम इससे पहले कभी नहीं हुआ।

कारगिल युद्ध या मुंबई हमलों के बाद भी भारत–पाक के बीच तनाव बढ़ा था, दोनों देशों के बीच कई बार मैच रद्द होने, कलाकारों को रोकने जैसी नाराजगी दिखाई गई है। लेकिन इन सबके साथ संवाद हमेशा चलता रहा, मोदी सरकार ने उसे भी बंद कर दिया है। अपने शपथग्रहण में पाक को दावत देने से लेकर नवाज शरीफ के घर खुद दावत में अचानक पहुंच जाने वाले श्री मोदी को शायद इस बात का डर है कि अगर उन्होंने पाक पर सख्ती दिखाने के साथ ही संवाद भी जारी रखा तो इससे उनकी राष्ट्रवादी छवि को धक्का लगेगा और देश का एक बड़ा तबका, जिसे भाजपा ने ही उग्रराष्ट्रवाद की घुट्टी पिलाई है, वो नाराज हो जाएगा। इस तबके को खुश रखने के लिए भाजपा ने चुनाव में विरोधियों के वोट काटने के लिए पाकिस्तान विरोधी बातें कहते हैं। हालांकि मोदी सरकार के समझदार लोग भी यह जानते होंगे कि पाकिस्तान से अबोला रखकर समस्याएं और बढ़ेंगी, सुलझेंगी नहीं। दक्षिण एशिया में एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना की हलचल ऐसी ही एक समस्या दिखाई दे रही है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान मिलकर ऐसा संगठन बना सकते हैं, जो अब लगभग निष्क्रिय हो चुके सार्क की जगह ले लेगा। इस पहल के जरिए शायद भारत को यह संदेश देने की कोशिश है कि क्षेत्रीय समूह भारत के बिना और चीन के नेतृत्व में भी बनाए जा सकते हैं।

बता दें कि सार्क का आखिरी सम्मेलन 2014 में हुआ था, इसके बाद 2016 में इस्लामाबाद में प्रस्तावित शिखर सम्मेलन का भारत ने बहिष्कार कर दिया था। भारत ने उरी आतंकी हमले के बाद यह कदम उठाया था, इसके बाद बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान ने भी सम्मेलन से किनारा कर लिया था।

सुनो सावन

सुनो सावन चले आना ।
घटाएं साथ में लेकर
सुनो सावन चले आना ।
खुशी से झूमते झूले
पल पल बुलाते हैं
मल्हारें साथ में लेकर
सुनो सावन चले आना ।
विरह की आग में जलती
रहेगी यह धरा कब तक
फुहारे साथ में लेकर
सुनो सावन चले आना ।
खनकती चूड़ियां बिंदिया
तुम्हारी राह तकती हैं
अदाएं साथ में लेकर
सुनो सावन चले आना ।
मनाने रूठने में ही
चल जाए ना सुंदर पल
वफाएं साथ में लेकर
सुनो सावन चले आना।
रिमझिम बारिशें काली घटाएं
फुहारे साथ में लेकर
सुनो सावन चले आना।

रचना सक्सेना जबलपुर

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

प्रह्लाद सबनानी

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है। बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल–बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा। उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है। इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके। साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव शृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव शृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था।

ऐश्वर्या राय की हमशक्ल स्नेहा उल्लाल को देख लोग कन्फ्यूज, पूछ रहे आराध्या का हाल चाल

स्नेहा ने अपने इंस्टा अकाउंट पर गोवा में अपनी वेकेशन की लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। वे किसी कैफे में विगन फूड एंजॉय करती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो फोटोज में स्नेहा स्काई ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं। उन्होंने अपनी जुल्फों को खुला छोड़ा था। इसके साथ व्हाइट कलर का हैट भी लगाया।एक्ट्रेस इस लुक में हूबहू ऐश्वर्या लग रही थीं।

स्नेहा उल्लाल ने सलमान खान की फिल्म लकी नो टाइम फॉर लव से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। स्नेहा की ये फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई थी लेकिन वह लोगों के बीच ऐश्वर्या राय की हमशक्ल के नाम से मशहूर हो गई थीं। अब एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर लोगों की कंफ्यूजन बढ़ा दी है और लोग उन्हें ऐश्वर्या राय समझकर आराध्या कर हाल–चाल पूछ रहे हैं। दरअसल, स्नेहा ने अपने इंस्टा अकाउंट पर गोवा में अपनी वेकेशन की लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। वे किसी कैफे में विगन फूड एंजॉय करती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो फोटोज में स्नेहा स्काई ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं। उन्होंने अपनी जुल्फों को खुला छोड़ा था। इसके साथ व्हाइट कलर का हैट भी लगाया। एक्ट्रेस इस लुक में हूबहू ऐश्वर्या लग रही थीं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं और लोग उन्हें ऐश्वर्या राय समझ रहे हैं। कई यूजर ने स्नेहा की तस्वीरों पर कमेंट कर उन्हें ऐश्वर्या राय समझकर आराध्या के बारे में पूछा है। एक यूजर ने लिखा, आराध्या कैसी है? एक और ने लिखा–आप ऐश्वर्या राय जैसी दिखने लग गई हो। स्नेहा उल्लाल, सलमान खान की बहन अर्पिता खान की दोस्त हैं। साल 2000 की शुरुआत में, सलमान खान मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। ऐश्वर्या राय से ब्रेकअप के बाद वह अपनी अगली फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश में थे तभी अर्पिता ने स्नेहा उल्लाल की सिफारिश की थी। इसके बाद स्नेहा उल्लाल ने सलमान खान की रोमांटिक ड्रामा फिल्म लकी नो टाइम फॉर लव (2005) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी हालांकि सोहेल खान द्वारा निर्देशित ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी।

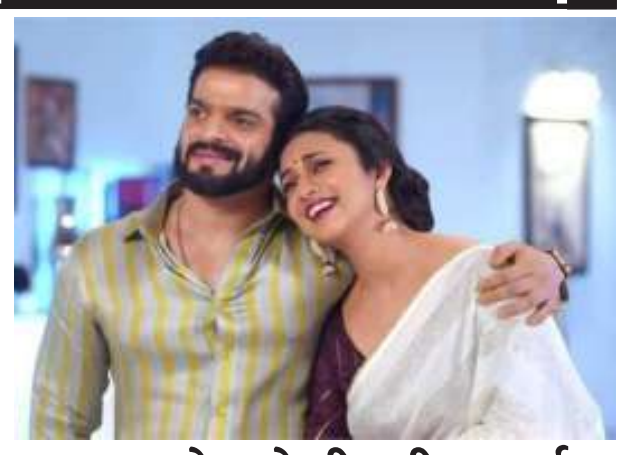

करण पटेल ने दी बड़ी सफाई, दिव्यांका के साथ रिश्ते को लेकर फैल रहीं अफवाहों पर विराम

टीवी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता करण पटेल और दिव्यांका त्रिपाठी एक समय छोटे पर्दे की सबसे पॉपुलर ऑन–स्क्रीन जोड़ी माने जाते थे। स्टार प्लस के शो ये है मोहब्बतें में इन दोनों की जोड़ी ने खूब सुर्खियां बटोरीं। लेकिन जैसे–जैसे शो का वक्त बीता, ऐसी खबरें सामने आईं कि दोनों कलाकारों के बीच अब पहले जैसी बॉन्डिंग नहीं रही। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि करण और दिव्यांका सिर्फ शूटिंग के दौरान ही एक–दूसरे से बात करते हैं और कैमरे से हटते ही दोनों के बीच संवाद बंद हो जाता है। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि दोनों एक–दूसरे की शक्ल तक देखना पसंद नहीं करते। इन अफवाहों ने फैंस को भी असमंजस में डाल दिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में करण पटेल ने इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहां, हम दोनों की पर्सनैलिटी बहुत अलग है। दिव्यांका थोड़ी शांत, शर्मीली और इंट्रोवर्ट हैं, जबकि मैं बहुत बदमाश और मस्ती करने वाला इंसान हूं। उन्होंने साफ किया कि वे और दिव्यांका दुश्मन नहीं हैं। हम दोस्त हैं, एक–दूसरे के लिए इज्जत रखते हैं। हां, हमारी सोच और व्यवहार में फर्क है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हमारे बीच कोल्ड वॉर है। करण ने यह भी स्वीकार किया कि वह सेट पर अक्सर मस्ती के मूड में रहते थे और कई बार उनके मजाक दिव्यांका को पसंद नहीं आते थे। मैं दोस्त बनाना पसंद करता हूं, लेकिन हर किसी को मेरी मस्ती वाली टोन समझ नहीं आती। उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि लोग बिना सच्चाई जाने उनकी दोस्ती पर सवाल उठाते हैं। करण पटेल की आखिरी टीवी अपीयरेंस कसौटी जिंदगी की 2 में थी, जहां उन्होंने ऋषभ बजाज का किरदार निभाया था। हाल ही में भारती सिंह के पॉडकास्ट में उन्होंने खुलासा किया कि पिछले 6 साल से उन्हें किसी भी डेली सोप में काम करने का मौका नहीं मिला है।करण पटेल की बातों से ये तो साफ हो गया है कि उनके और दिव्यांका के बीच किसी भी तरह की दुश्मनी या कोल्ड वॉर नहीं है। दोनों कलाकारों के बीच अलग–अलग स्वभाव के चलते भले ही बहुत करीबी दोस्ती ना हो, लेकिन वे एक–दूसरे का सम्मान करते हैं और पेशेवर रिश्ते को लेकर गंभीर हैं।

बजरंगी भाईजान के 10 साल, देखिए कैसे नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने चांद नवाब बनकर सबका दिल जीत

एक फिल्म अक्सर अपने मुख्य अभिनेता के प्रभाव में रहती है, जब तक कि एक सशक्त चरित्र अभिनेता अपनी भूमिका को बखूबी नहीं निभा लेता और एक अलग छाप नहीं छोड़ देता। ऐसे ही एक दिग्गज अभिनेता हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जो लगातार दमदार अभिनय करते हैं। उनकी प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण 2015 में रिलीज हुई फिल्म बजरंगी भाईजान में चांद नवाब का किरदार है। अपने अभिनय में निपुण, नवाजुद्दीन ने साबित कर दिया कि एक सच्चे अभिनेता को अपनी छाप छोड़ने के लिए लंबे समय तक स्क्रीन पर बने रहने की जरूरत नहीं होती। फिल्म अपनी 10वीं वर्षगांठ मना रही है, इसलिए चांद नवाब के रूप में नवाजुद्दीन को याद करना और यह समझना महत्वपूर्ण है कि उनके चरित्र को आज भी इतने प्यार से क्यों याद किया जाता है। बजरंगी भाईजान एक दिल को छू लेने वाली कहानी है जो एक ऐसे शख्स के असाधारण सफर पर आधारित है जो एक मूक पाकिस्तानी लड़की को सीमा पार उसके परिवार से मिलाने का बीड़ा उठाता है। रास्ते में उसकी मुलाकात चांद नवाब नामक एक पाकिस्तानी न्यूज रिपोर्टर से होती है। इसी नाम के एक असल जिंदगी के रिपोर्टर से प्रेरित होकर, यह किरदार जल्द ही फिल्म का एक अहम हिस्सा बन गया। पवन (सलमान खान द्वारा अभिनीत) के साथ अपनी दोस्ती से लेकर अपनी बेजोड़ कॉमिक टाइमिंग और भावनात्मक गहराई तक, नवाजुद्दीन ने इस भूमिका के हर पहलू को बखूबी निभाया। गौरतलब है कि बहुत कम अभिनेताओं में दर्शकों को अपने अगले सीन का बेसब्री से इंतजार करवाने का आकर्षण होता है और नवाजुद्दीन ने साबित कर दिया कि वह उनमें से एक हैं। चाँद नवाब के रूप में, वह एक सच्चे दोस्त, एक वफादार पत्रकार और एक दयालु इंसान थे। उन्होंने कई तरह की भावनाओं को सहजता से पेश किया, दर्शकों को हर पल का एहसास कराया। उनके पहले ही सीन में, एक रेलवे स्टेशन पर रिपोर्टिंग करते हुए, जहाँ पृष्ठभूमि में एक ट्रेन गुजर रही थी, दर्शकों को तुरंत हँसी आ गई। यहीं से उनके किरदार ने कहानी में पूरी तरह से प्रवेश किया, और उसके बाद से, दर्शक उनके अगले रूप का बेसब्री से इंतजार करने लगे। इसमें कोई शक नहीं कि नवाजुद्दीन एक शानदार और बहुमुखी अभिनेता हैं, और चाँद नवाब उनकी प्रतिभा को उजागर करने वाले कई उदाहरणों में से एक हैं। दर्शकों को उनका किरदार बेहद पसंद आया और एक दशक बाद भी, उनकी भूमिका बजरंगी भाईजान के सबसे यादगार पहलुओं में से एक बनी हुई है।

मिठाइयां भेंट करते हुए बच्ची की तस्वीर न लेने का सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने किया मीडिया से अनुरोध...

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने मीडिया से अपनी नवजात बेटी की तस्वीरें न लेने का अनुरोध किया। उन्होंने उनके साथ मिठाइयों का एक पैकेट भी साझा किया। इस जोड़े ने मुंबई के उस अस्पताल के बाहर खड़े पत्रकारों को एक प्यारा सा कार्ड भेंट किया, जहाँ उन्होंने इस हफ़्ते की शुरुआत में अपनी बेटी का स्वागत किया था। गिफ्ट के साथ कार्ड पर लिखे नोट में लिखा था, ष्कृपया तस्वीरें न लें, केवल आशीर्वाद देंष्, जिससे स्पष्ट हो गया कि इस खुशी के पल में परिवार के लिए गोपनीयता की आवश्यकता होगी।

कियारा आडवाणी को अस्पताल से छुट्टी मिली

सिड–कियारा 15 जुलाई को एक बच्ची के माता–पिता बने। शुक्रवार को, कियारा और सिद्धार्थ को अस्पताल से निकलते और अपनी बच्ची को घर ले जाते हुए देखा गया। नए माता–पिता सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए और सीधे कार में बैठ गए। इतना ही नहीं, एक सुरक्षाकर्मी यात्री सीट पर बैठा है और पिछली सीट को अपनी बाहों से ढककर पपराज़ी से बचा रहा है, जो मना करने के बावजूद नई माँ कियारा और उनकी बेटी का चेहरा कैद करने की कोशिश कर रहे थे। इस साल के अंत में, आडवाणी ने मेट गाला में अपनी उपस्थिति से सुर्खियाँ बटोरीं। उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान गर्व से अपना बेबी बंप दिखाया, जिसने न केवल प्रशंसकों, बल्कि फैशन समीक्षकों को भी प्रभावित किया। मल्होत्रा और आडवाणी ने 2023 में राजस्थान के जैसलमेर में शादी की। फिल्म उद्योग की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक का रिश्ता 2020 में शुरू हुआ। उन्होंने श्शेरशाहश् में साथ काम किया। काम की बात करें तो, आडवाणी बहुप्रतीक्षित फिल्म श्वॉर 2श में नज़र आएंगे। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन भी हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

मैं एक इंसान से मिली जिसका नाम मोहित सूरी था. ..अनीत पड्डा ने सैयारा की रिलीज से पहले लिखा नोट

यशराज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक फिल्म सैयारा इस सप्ताह सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री अनीत पड्डा, जो डेब्यूटेंट अहान पांडे के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं, ने रिलीज से ठीक पहले पहली बार फिल्म के अनुभव को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी हैं और निर्माता वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी हैं। यह फिल्म अनीत और अहान दोनों की यशराज फिल्म्स के साथ पहली फिल्म है। रिलीज से एक दिन पहले, अनीत ने मोहित सूरी के साथ एक भावुक तस्वीर साझा की और एक सुंदर सा नोट लिखा जिसमें उन्होंने पूरी टीम के प्रति आभार जताया मैं एक इंसान से मिली जिसका नाम मोहित सूरी है। वह प्यार को वैसे महसूस करता है जैसे बहुत कम लोग करते हैं, और दर्द को इस तरह समझता है जैसे वह खुद उस रास्ते से गुजरा हो। पर उसने उस दर्द को अर्थ दिया। उसे थामा, देखा और महसूस किया कि वह उसे कहाँ ले जाएगा। उन्होंने आगे लिखा सिर्फ इमेज और म्यूजिक काफी नहीं थे। उन्हें एक साथ साँस लेती कहानी चाहिए थी। तो उन्होंने बुलाया कैमरामैन विकास शिवरामन को, जिसने उस नजारे को पकड़ा। एक औरत जो खोई हुई रौशनी की तलाश में थी सुमना घोष, एक आदमी जो यकीन करता था संकल्प सदाना, और जिसने उस कहानी को संवारा, और वो मेंटर कृ सपनों को उड़ान देने वाले रुआदित्य चोपड़ा हमेशा मौजूद थे। उन्होंने एक टीम बनाई (सभी कास्ट और क्रू), रातों को जागकर कुछ नया रचा। मुश्किलें थीं, पर उन्होंने लड़ाई चुनी, क्योंकि उनकी कहानी में जान थी। अगर असफल भी होते, तो भी गर्व होता, क्योंकि रूह वाली चीजों को कभी ठुकराया नहीं जाना चाहिए। कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा के बारे में अनीत ने लिखा फिर आई एक खोजी नजर वाली महिला शानू शर्मा, जिन्होंने थोड़ा जादू, थोड़ी उम्मीद जगाई और ढूँढ निकाले दो मुसाफिर कृ नए, डरे हुए, पर ईमानदार। उन्होंने मोहित से कहा, 'यही हैं वो जिन्हें ढूंढा जा रहा था। इन्हें आकार दो, सिखाओ कृ ये सच्चे और सौम्य हैं। अभी बहुत नहीं जानते, पर इनके दिल सच्चे हैं।' मोहित ने अपनी लाल कुर्सी पर बैठकर अपनी मशहूर नजर से फैसला ले लिया। अनीत ने अपने नोट का समापन इन शब्दों के साथ किया मैं खुशनसीब हूं कि इसे करीब से देखा। अहान और मैं भाग्यशाली हैं कि हमें यह मौका मिला, एक ऐसे इंसान के साथ जिसने हमें अपनाया और हमारे सारे 'क्यों' और 'कब' के जवाब दिए। आप एक खूबसूरत इंसान हैं मोहित सूरी, हर गाने के साथ एक छाप छोड़ते हुए। इस मजबूत विजन के लिए ध न्यवाद, इस संगीत के लिए धन्यवाद। दुनिया और मेरे साथ अपना दिल साझा करने के लिए धन्यवाद। श्सैयाराश वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी द्वारा निर्मित है और 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म अहान पांडे और अनीत पड्डा की डेब्यू फिल्म है।

चेहरे की झाइयों को जड़ से खत्म कर देगा ये फेस जेल, स्किन को भी मिलेगा पोषण

हम आपको एक ऐसे जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो झाइयों की समस्या को जड़ से खत्म कर सकता है। इस जेल को आप आसानी से घर पर बना सकती हैं। यह जेल फेस की झाइयों की खत्म करने के साथ ही स्किन को भी पोषण देगा और त्वचा को चमकदार बनाने का काम करेगा।

चेहरे की खूबसूरती उम्र बढ़ने के साथ ही ढलने लगती है। खासकर तब जब चेहरे पर दाग–धब्बे और झाइयां दिखने लगती हैं। अगर झाइयों की बात की जाए, तो यह समस्या और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह इतनी आसानी से दूर नहीं होती हैं। फेस पर एक छोटा सा निशान आपके पूरे लुक को बर्बाद कर सकता है। वहीं झाइयां होने पर आत्मविश्वास पर भी असर पड़ने लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो झाइयों की समस्या को जड़ से खत्म कर सकता है। इस जेल को आप आसानी से घर पर बना सकती हैं, वह भी कम खर्च में। यह जेल फेस की झाइयों की खत्म करने के साथ ही स्किन को भी पोषण देगा और त्वचा को चमकदार बनाने का काम करेगा।

साफ होंगी झाइयां

नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में अगर आप भी झाइयों से परेशान हैं, तो आपको एक बार नींबू के जेल का इस्तेमाल करके देखना चाहिए। इसको आप आसानी से घर पर ही बना सकती हैं।

एंटी पिग्घ्मेंटेशन फेस जेल

विटामिन सी स्किन के दाग–धब्बों को कम करता है। आज हम आपको जिस जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें विटामिन सी की मात्रा भरपूर है। इस जेल को बनाने में आपको ज्यादा पैसे भी नहीं खर्च करने होंगे और बाकी की साम्रगी घर पर ही मिल जाएगी।

फेस जेल बनाने की सामग्री

नींबू का रस – 1

एलोवेरा जेल– 1 बड़ा चम्घ्मच

विटामिन–ई कैप्घ्सूल– 1

गुलाब जल– 1 छोटा चम्घ्मच

ऐसे बनाएं फेस जेल

सबसे पहले एक छोटी कटोरी में नींबू का रस निकाल लें। आपको पीले नींबू का रस लेना है। हरे नींबू रस में एसेडिक ज्यादा होता है।

अब कटोरी में एलोवेरा जेल डालें। आप चाहें तो एलोवेर के पौधे से तोड़कर उसका जेल इस्तेमाल कर सकती हैं।

फिर इसमें विटामिन ई कैप्सूल को डालें और गुलाबजल डालकर मिक्स कर लें।

अब इसको अपने फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। यह जेल लगाने के दौरान फेस की हल्की मसाज करें और 2 मिनट मसाज करके इसको 20–25 मिनट के लिए छोड़ दें।

फिर चेहरे को धो लें और अपनी स्किन टाइप का मॉइश्चराइजर लगाएं।

नियमित इस नुस्खे को ट्राई करने से आपको जल्द ही अच्छे रिजल्ट्स देखने को मिल जाएंगे।

इन बातों का रखें ध्घ्यान

यह जेल विटामिन सी से भरपूर होता है, इसलिए इसको रात के समय चेहरे पर लगाएं। अगर आप इस जेल को लगाकर धूप में जाएंगी, तो स्किन टैन हो जाएगी।

जब आपके चेहरे पर कोई घाव, मुंहासे या फिर संक्रमण न हों, तब ही इस जेल को चेहरे पर लगाना चाहिए। स्किन संबंधी समस्या खत्म होने के बाद आप इस जेल को फेस पर लगा सकती हैं।

इस जेल को लगाने से आपके फेस पर ग्लो आ सकता है। लेकिन अगर आप इस जेल का प्रयोग फेस पर निखार लाने के लिए कर रही हैं, तो आपकी सोच गलत है।

इस जेल को फेस पर ओवरनाइट लगाकर नहीं रखना चाहिए। इससे आपकी स्किन पर रैशेज आ सकते हैं।

अब अंतरिक्ष में भी शानदार कैरियर निर्माण की खुली राह

पिछले ही महीने भारत के सुधांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में प्रवेश करते ही देश के लाखों युवक–युवतियों को अंतरिक्ष में जाने और बतौर अंतरिक्ष यात्री आसमानी कैरियर बनाने के लिए प्रेरित किया है। अब हमारे युवा भी यह सपना संजोने लगे हैं। हमारे अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान इसरो की तेज प्रगति ने इस सपने को और भी करीब ला दिया। इसरो, नासा और ईएसए के संयुक्त मिशन की सफलता ने भारतीय युवाओं के लिए अंतरिक्ष में भी कैरियर निर्माण की राह प्रशस्त कर दी है। भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान से भविष्य में देश के युवा उम्मीदवारों के लिए और अधिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

उचित शिक्षा से तय करें राह

अंतरिक्ष यात्री बनना सिर्फ एक कैरियर नहीं है बल्कि ऐसा मिशन है जिसके लिए गहन विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष विज्ञान, सैन्य विमानन या परीक्षण पायलटिंग, रोबोटिक्स, चिकित्सा या भौतिकी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। इसरो और नासा छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देने के लिए कई इंटर्नशिप प्रदान कर रहे हैं। लेकिन युवाओं को इस इंटर्नशिप को पाने के लिए समुचित व कड़े प्रयास करने होंगे। अंतरिक्ष की यात्रा हाईस्कूल से शुरू होती है, जहां विज्ञान और गणित में मजबूत आधार आवश्यक है। भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित यानी पीसीएम के साथ 12वीं के बाद छात्रों को इंजीनियरिंग, भौतिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित या वैमानिकी इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री लेने का लक्ष्य रखना चाहिए। अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए युवाओं को कंप्यूटर इंजीनियरिंग,इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, ,इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग,मैकेनिकल इंजीनियरिंग,जियो फिजिक्स और एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में से किसी भी विषय में स्नातक,मास्टर डिग्री हासिल करनी होगी । जो लोग विमान, रॉकेट और उड़ान यांत्रिकी में रुचि रखते हैं, उनके लिए वैमानिकी या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एक स्वाभाविक विकल्प है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बी,टेक,एमटेक, एयरोफिजिक्स में बीएससी,एमएससी, मेकेनिकल इंजीनिरिंग या इलेक्ट्रानिक्स में बीटेक, स्पेस साइंस में एमएससी तथा एस्ट्रोनॉमी या एस्ट्रो फिजिक्स में पीएचडी जैसी शैक्षणिक योग्यता उपयोगी साबित होगी।

उच्च शारीरिक क्षमता

सही डिग्री और कॉलेज का चयन कर शैक्षणिक योग्यता हासिल करने के साथ ही अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए जरूरी है कि प्रत्याशी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। अंतरिक्ष में जीरो ग्रेविटी में रहते हुए काम करना पड़ता है। अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में रहते हुए कई तरह की शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है– हड्डियों और मांसपेशियों के कमजोर होने से लेकर मनोवैज्ञानिक तनाव तक। अंतरिक्ष में प्रवेश करने से पहले कई कठोर चिकित्सा और फिटनेस परीक्षणों से गुजरना होगा। जिसके लिए उनमें उत्तम दृष्टि, सामान्य रक्तचाप, उत्कृष्ट हृदय और फेफड़े की कार्यक्षमता तथा सही वजन शामिल हैं। वहीं आपसी सामंजस्य की योग्यता जरूरी है। उनमें दबाव सहन करने तथा फोकस रखने की योग्यता हो।

प्रवेश द्वार है इसरो

इसरो छात्रों की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित करता है। अगले चरण के लिए, किसी को भर्ती परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्रता स्नातकध्स्नातकोत्तर की डिग्री है। इसरो में प्रवेश पाने का दूसरा रास्ता भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान अर्थात आईआईएसटी से होकर जाता है। इच्छुक युवा आईआइएसटी में प्रवेश लेकर इसरो का रास्ता तय कर सकता है। इसरो छात्रों को इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरिक्ष कार्य के बारे में करीब से जानने का अवसर भी देता है, जहां रिसर्च स्कॉलर स्पेस से जुड़ी रिसर्च में योगदान दे सकते हैं। चाहे वह उपग्रह प्रणाली हो या मिशन योजना।

सेना भी ले जाती है अंतरिक्ष की ओर

हमारे देश के अंतरिक्ष यात्री सुधांशु शुक्ला ने भारतीय वायुसेना में अपनी सेवाएं देते हुए उड़ान का लम्बा और सफल अनुभव प्राप्त किया। अंतरिक्ष में कैरियर बनाने के लिए प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए पहले वायुसेना और फिर इसरो में प्रशिक्षण हासिल किया। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले इस राह का अपना सकते हैं। दुनिया भर में बड़ी संख्या में अंतरिक्ष यात्री विमानन, इंजीनियरिंग या विज्ञान की पृष्ठभूमि से आते है। गौरतलब है कि हमारे पूर्व और वर्तमान अंतरिक्ष यात्रियों क्रमशरू राकेश शर्मा और सुभांशु शुक्ला ने भारतीय वायु सेना से ही अंतरिक्ष में अपनी राह प्रशस्त की। इसरो और नासा सहित कई अंतरिक्ष एजेंसियां ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास सैन्य विमानन जैसे उच्च जोखिम, उच्च अनुशासन वाले वातावरण में काम करने का अनुभव हो। यह रास्ता एनडीए के माध्यम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके वायु सेना अकादमी में शामिल होकर जाता है।

अंतरिक्ष यात्रियों की आय

अंतरिक्ष यात्री का वेतन अनुभव, देश और एजेंसी के आधार पर अलग–अलग होता है। अमेरिका में नासा के अंतरिक्ष यात्री अपने ग्रेड और अनुभव के आधार पर प्रति वर्ष 90 हजार से से 3 लाख डॉलर वेतन मिलता है। भारत में इसरो के अंतरिक्ष यात्री को प्रति वर्ष लगभग 25 से 40 लाख सैलरी मिलती है, साथ ही अतिरिक्त भत्ते और लाभ भी मिलते है। अंतरिक्ष यात्री के रूप में भविष्य गढ़ने वाले संस्थानों में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम, इसरो की अपनी शैक्षणिक शाखा के साथ–साथ आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), चेन्नई, बिट्स पिलानी , आईआईएसटी, त्रिवेंद्रम,आईआईएससी, बेंगलुरु, एनआईटी, तिरुचिरापल्ली ,आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई शामिल हैं। जो युवा आप आईआईएसटी में शीर्ष प्रदर्शन करते हैं उन्हें बिना किसी अतिरिक्त परीक्षा के, इसरो में सीधे प्रवेश मिल जाता है।

रात में जागने के नुकसान की भरपाई दिन में अच्छी नींद से

रात को नहीं सोने से सेहत को नुकसान होता है। लेकिन नाइट शिफ्ट जॉब या अन्य वजह से रात को जागना पड़े तो दिन में गुणवत्तापूर्ण नींद लेकर उसकी भरपाई कर सकते हैं। दिन में सोने के लिए कमरे का अनुकूल वातावरण व एंकर स्लीप, रात में पॉवर नैप के अलावा हल्के–सुपाच्य भोजन नींद की अच्छी क्वालिटी सुनिश्चित होती है। कई बार ऐसी मजबूरी आ जाती है कि न चाहते हुए भी हमें रतजगे करने पड़ते हैं। नौकरी में नाइट शिफ्ट या किसी अन्य कारण से अगर हमें रतजगे करने पडे, तो इससे सेहत को होने वाले नुकसान की भरपायी कैसे करें? इसके लिए हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, नेशनल स्लीप फाउंडेशन और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली ने कई ऐसे उपाय सुझाये हैं, जिससे लोग रात में जगने के कारण अपने स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकते हैं।

दिन में 'एंकर स्लीप' लें

अगर किसी वजह से आपके लिए रात में जागना मजबूरी है, तो रात में न सोने से होने वाले स्वास्थ्य की भरपाई करने के लिए दिन में कम से कम एक एंकर स्लीप जरूर लें। यानी 4–5 घंटे तक लगातार सोना। रात में जगना पड़ रहा है, तो दिन में जब भी सोएं कोशिश करें कि 4–5 घंटे की नींद एक साथ लें। वास्तव में यही आपकी मुख्य नींद मानी जायेगी। यह नींद दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच हो। अगर रात में नहीं सो पा रहे, तो दिन में जब भी सोएं, आपके सोने का एक हेल्दी माहौल होना चाहिए। यानी सोने की जगह ऐसी हो, जहां अंधेरा, ठंडक और शांति हो। अगर जरा भी इन स्थितियों में कमी हो तो आंखों पर स्लीप मास्क और कानों में ईयर प्लग लगाकर सोएं। जहां सोएं अगर वहां प्राकृतिक रोशनी आ रही हो, तो ब्लैक आउट कॉटन लगाएं।

भारी भोजन और कैफीन से परहेज

अगर आप रात की शिफ्ट में काम करते हैं तो कॉफी, चाय या एनर्जी ड्रिंक का इस्तेमाल सिर्फ रात की शिफ्ट में काम करते वक्त शुरुआत के समय ही करें यानी जब सोने जा रहे हों तो सुनिश्चित करें कि उसके 6 घंटे पहले तक ऐसी किसी चीज का सेवन न किया हो। वहीं जब भी रात में जगने के कारण दिन में सोना हो तो सोने के पहले भारी भोजन बिल्कुल न करें, हल्का फुल्का और सुपाच्य खाना खाएं ताकि वह नींद आने के पहले ही पच जाए।

रात में 'पावर नैप'

रात की शिफ्ट के दौरान अगर संभव हो तो 20 मिनट या आध ो घंटे की कम से कम एक 'पॉवर नैप' या नींद की तेज झपकी जरूर ले लें। इससे रात में जगने के दौरान सतर्कता बनी रहती है व किसी हद तक दिन में सोते समय रात की नींद की कमी भी पूरी हो जाती है। इसी तरह अगर रात में जगने के कारण दिन में नींद आने में दिक्कत हो तो अपने डॉक्टर से मिलें और उनकी सलाह से मेलाटोनिन सप्लीमेंट ले सकते हैं।

प्राकृतिक रोशनी का एक्सपोजर संतुलित रखें

रात की शिफ्ट से जब सुबह घर आएं तो आंखों को धूप के एक्सपोजर से बचाने के लिए चश्मा लगाएं या फिर उजाले से दूर रहें ताकि शरीर को रात की स्थिति में रहने का अहसास बना रहे। इसी तरह रात की शिफ्ट के शुरुआती समय रोशनी वाली जगह पर रहें, जिससे दिमाग में सतर्कता बनी रहे। साथ ही अगर लगातार रात में जगना पड़ रहा हो और दिन में सोना, तो कम से कम सप्ताहांत यानी छुट्टी में, बहुत ज्यादा नींद या अलग रूटीन से बचें।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें

अगर लगातार नाइट शिफ्ट करनी पड़ रही है या किसी वजह से लगातार आपको रात में जगना पड़ रहा है, तो सिर्फ दिन के समय रात की नींद की भरपाई नहीं करनी होती बल्कि अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी होता है। इसके लिए नियमित ध्यान करें, योगाभ्यास करें, हल्की कसरत करें और परिवार के साथ जुड़ाव बनाये रखें। इस तरह अगर आप चाहें तो रात में जगने के नुकसान की किसी तरह भरपाई कर सकते हैं।

बारिश में खाएं ये स्वादिष्ट भारतीय स्नैक्स और भीगी शामों को बनाएं यादगार

मानसून की ठंडी बरसाती शामें अपना अलग ही आनंद लेकर आती हैं, और अगर ऐसे मौसम में कुछ गरमागरम खाने को मिल जाए, तो मज़ा दोगुना हो जाता है। आमतौर पर लोग समोसे, ब्रेड पकोड़े या तरह–तरह के पकौड़े जैसे पारंपरिक भारतीय व्यंजन खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप इनसे कुछ हटकर खाना चाहते हैं, तो क्या विकल्प हैं? आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्वादिष्ट और देसी स्नैक्स के बारे में, जो बरसात की इन भीगी–भीगी शामों को और भी यादगार बना देंगे।

आलू टिक्कीः दही, हरी और इमली की चटनी, सेव और अनार के दानों के साथ परोसी जाने वाली गरमा–गरम आलू टिक्की बरसात के मौसम में एक परफेक्ट स्ट्रीट फूड है। चटपटे स्वाद के साथ हर बाइट में मिलेगा ताज़गी और मज़ा।

भुट्टाः कोयले पर भुना हुआ भुट्टा, जिस पर नींबू, नमक और लाल मिर्च पाउडर छिड़का हो, मानसून की पहचान बन चुका है। सड़क किनारे भुट्टा खाते–खाते बारिश का आनंद लेना एक अलग ही अनुभव है।

वड़ा पावः मुंबई की शान वड़ा पाव, गरमागरम आलू वड़ा के साथ, हरी और लहसुन की चटनी लगे पाव में मिलकर मानसून का स्वाद और भी बढ़ा देता है।

साबूदाना वड़ाः बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट साबूदाना वड़ा मूंगफली और हल्के मसालों के साथ तैयार किया जाता है। चाय के साथ इसका आनंद बरसात में दोगुना हो जाता है।

कचौरीः मसालेदार आलू की सब्जी के साथ गर्मागर्म कचौरी, ठंडी बारिश की शाम में दिल और पेट दोनों को सुकून देती है।

ब्रेड पकौड़ाः ब्रेड में आलू की मसालेदार स्टफिंग भरकर बेसन में लपेटकर तला जाता है। इसे हरी चटनी और टमैटो सॉस के साथ खाएं और मौसम के मज़े लें।

भुना चनाः हल्का, कुरकुरा और हेल्दी स्नैक, भुना चना प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है। जब कुछ हल्का खाने का मन हो, तो ये परफेक्ट विकल्प है।

मखानाः हल्दी, सेंधा नमक या अपने पसंदीदा मसालों में भुने हुए मखाने न सिर्फ कुरकुरे हैं बल्कि सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

फ्रूट चाटः ताजे फलों पर नींबू, काला नमक और चाट मसाला डालकर तैयार की गई फ्रूट चाट स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों होती है, खासतौर पर बच्चों के लिए।

अंकुरित सलादः अंकुरित दालों को प्याज, टमाटर, नींबू और मसालों के साथ मिलाकर एक हेल्दी और एनर्जी से भरपूर स्नैक तैयार किया जा सकता है।

मसालेदार सेवईंः सब्ज़ियों के साथ बनी नमकीन सेवईं एक हल्का लेकिन स्वादिष्ट स्नैक है, जो मानसून के दिनों में पेट और मन दोनों को राहत देता है।

पोहा चीलाः पोहा और बेसन से बना चीला झटपट बनने वाला और हेल्दी स्नैक है, जो चाय के साथ शानदार लगता है।

संक्षिप्त

दिल्ली में घर का सपना होगा पूरा, क्क। लाएगा प्रीमियम आवास योजना, जानें कैसे और कब बुक कर सकते हैं

दिल्ली में फ्लैट खरीदने या अपना घर बनाने का सपना लाखों लोगों का होता है, लेकिन बहुत कम लोग ही इस सपने को हकीकत में बदल पाते हैं। इसकी मुख्य वजह दिल्ली में प्रॉपर्टी की आसमान छूती कीमतें हैं। हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी में रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए एक अच्छी खबर यह है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक और प्रीमियम हाउसिंग स्कीम शुरू कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली विकास प्राधिकरण अगस्त की शुरुआत में प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2025 लॉन्च करने वाला है।

ई–ऑक्सन के माध्यम से चयन

यदि आप इस प्रीमियम आवास योजना में फ्लैट खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको नीलामी में भाग लेना होगा। ई–नीलामी प्रारूप में होने वाली यह नीलामी अगले महीने की शुरुआत में आयोजित की जाएगी। इसके बाद, सफल बोलीदाता का चयन रैंडम ड्रॉ या लॉटरी के माध्यम से किया जा सकेगा। इस प्रीमियम आवास योजना में वसंत कुंज, जसोला (पॉकेट 9बी) और द्वारका (सेक्टर 19बी) में 39 उच्च–आय वर्ग (एचआईजी) फ्लैट, जहाँगीरपुरी, नंद नगरी, द्वारका और पीतमपुरा में 48 मध्यम–आय वर्ग (एमआईजी) फ्लैट और रोहिणी में 22 निम्न–आय वर्ग (एलआईजी) फ्लैट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण ने बताया कि पॉकेट 9, नसीरपुर, द्वारका में 66 उच्च–आय वर्ग (ईएचएस) फ्लैट और सेक्टर 18, रोहिणी और शालीमार बाग में दो उच्च–आय वर्ग (एसएफएस) श्रेणी–प्प फ्लैट भी उपलब्ध कराए जाएँगे। इस योजना में पीतमपुरा में 16 कार गैराज और मॉल रोड तथा अशोक विहार में 51 स्कूटर गैराज भी शामिल हैं, जो दिल्ली के कुछ सबसे प्रमुख क्षेत्रों में आवास और पार्किंग दोनों के लिए विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं।

फ्लैटों की कीमतें

विभिन्न श्रेणियों में फ्लैटों की कीमतें अलग–अलग होंगी। उदाहरण के लिए, उच्च आय वर्ग फ्लैटों का आरक्षित मूल्य 1.6 करोड़ रुपये से 2.5 करोड़ रुपये के बीच है। मध्यम आय वर्ग फ्लैटों की कीमत 60 लाख रुपये से 1.5 करोड़ रुपये के बीच है। निम्न आय वर्ग फ्लैटों का आरक्षित मूल्य 39 लाख रुपये से 54 लाख रुपये के बीच है। गौरतलब है कि डीडीए पहले से ही अपना घर आवास योजना 2025 पर काम कर रहा है, जिसके तहत कुल 7,500 फ्लैट स्प्ळ फ्लैटों पर 25 प्रतिशत और EWS, MIG और उच्च आय वर्ग फ्लैटों पर 15 प्रतिशत की छूट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

पाकिस्तान पर चालू वित्त वर्ष में 23 अरब अमेरिकी डॉलर के विदेशी ऋण का बोझ

पाकिस्तान को चालू वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान 23 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का बाह्य कर्ज चुकाना होगा। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। पाकिस्तान की आर्थिक समीक्षा 2024–25 के अनुसार, इस वर्ष मार्च के अंत में पाकिस्तान पर कुल 76010 अरब रुपये का कर्ज था। इसमें 51520 अरब रुपये (करीब 180 अरब अमेरिकी डॉलर) का घरेलू ऋण और 24490 अरब रुपये (87.4 अरब डॉलर) का बाह्य

ऋण शामिल है। इस 87.4 अरब अमेरिकी डॉलर के बाह्य सार्वजनिक ऋण में दो घटक सरकारी बाह्य ऋण और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त कर्ज शामिल हैं। खबर के अनुसार, 2025–26 में कुल 23 अरब अमेरिकी डॉलर का बाह्य कर्ज चुकाना है। इसमें से 12 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि ''मित्र देशों'' द्वारा रखी गई अस्थायी जमा के रूप में है। उम्मीद की जा रही है कि ये मित्र देश इस 12 अरब डॉलर की राशि की वापसी की तारीख को आगे बढ़ा देंगे। ये अस्थायी जमा राशि में सऊदी अरब से पांच अरब डॉलर, चीन से चार अरब डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात से दो अरब डॉलर और कतर से करीब एक अरब डॉलर शामिल हैं। देश को चालू वित्त वर्ष में हालांकि बहुपक्षीय, द्विपक्षीय ऋणदाताओं, अंतरराष्ट्रीय बान्डधारकों और वाणिज्यिक उधारदाताओं को करीब 11 अरब अमेरिकी डॉलर का बाह्य ऋण चुकाना होगा। ऋण भुगतान वर्तमान में वार्षिक बजट का सबसे बड़ा व्यय है। पाकिस्तान ने 2025–26 में घरेलू एवं और बाह्य ऋण को चुकाने के लिए 8200 अरब रुपये आवंटित किए हैं, जो 17573 अरब रुपये के कुल संघीय बजट का 46.7 प्रतिशत है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में 48 एकड़ जमीन खरीदी

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बेंगलुरु में 48 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने उत्तरी बेंगलुरु के डोड्डाबल्लापुर में 48 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने इस नई परियोजना की भूमि लागत और राजस्व क्षमता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय भूखंडों के विकास के लिए रायपुर में 50 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की 16 जुलाई को घोषणा की थी। इस जमीन का अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्रफल करीब 9.5 लाख वर्ग फुट होगा। इससे पहले 30 जून को कंपनी ने कहा था कि उसने हरियाणा के पानीपत में 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है और आवासीय भूखंडों की बिक्री से 1,250 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित करने की उम्मीद है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला टीम, शनिवार को लॉर्ड्स में होगी इंग्लैंड से टक्कर

लॉर्ड्स। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। इस मैच में जीत के साथ हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। इससे पहले भारतीय टीम ने मेजबानों को शुरुआती मुकाबले में चार विकेट से हराया था।

अरुंधति रेड्डी ने किया प्रभावित

इंग्लैंड के खिलाफ जारी यह सीरीज महिला वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जो मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए अच्छा सिरदर्द है। टीम में कुछ ऐसे स्थान हैं जिनमें टीम प्रबंधन के पास कई विकल्प हैं। टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पहले कभी इतनी अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस सीरीज में नहीं खेल रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम ने पहले मैच में थोड़ी अधिक अनुभवी अरुंधति रेड्डी की जगह क्रांति गौड़ को तरजीह दी और इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने दो विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा।

शेफाली बन सकती हैं हरलीन के लिए मुसीबत

प्रतिका रावल शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी हैं, जबकि शेफाली वर्मा भी टी20 अंतरराष्ट्रीय, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म के कारण दावेदार बनी हुई हैं। हरलीन देओल भी अच्छी फॉर्म में हैं और अगर शेफाली निकट भविष्य में अंतिम एकादश में वापसी करती हैं तो रावल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। ऐसी स्थिति में देओल को टीम में शामिल करना मुश्किल होगा, जिसके बल्लेबाजी विभाग में हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष भी शामिल हैं। स्पिन विभाग भी काफी मजबूत है जिसमें अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी के अलावा अनुभवी दीप्ति, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल हैं।

भारत की नजर अजेय बढ़त पर

पहले वनडे में नाबाद अर्धशतक जमा कर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति ने अपनी इस पारी के दौरान ऋषभ पंत की तरह एक हाथ से छक्का लगाया था। शनिवार को होने वाले मैच में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले इंग्लैंड को टी20 सीरीज में हराया था और अब वनडे सीरीज जीतने से उसका 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मनोबल और बढ़ेगा। जहां तक इंग्लैंड की टीम का सवाल है तो उसको जीत हासिल करने के लिए खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप–कप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंडः नेट सिवर–ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, एलिस डेविडसन–रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, एम्मा लैम्ब, लिंसे स्मिथ।

अगर फिट हो तो सभी मैच खेलो, दिलीप वेंगसरकर ने साधा बुमराह पर निशाना

गंभीर-अगरकर को भी लताड़

मैनचेस्टर। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप वेंगसरकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अगर फिट हैं तो उन्हें सभी मुकाबले खेलने चाहिए। दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथा मुकाबला 23 जुलाई से खेला जाएगा। रिपोर्ट्स में बुमराह की उपलब्धता को लेकर संदेह जताया जा रहा है। हालांकि, गुरुवार को सहायक कोच रेयान डेशकाटे ने इस बात के संकेत दिए हैं कि आगामी मैच में तेज गेंदबाज खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

आपको हर मैच खेलना होता है

चौथे टेस्ट से पहले दिलीप वेंगसरकर ने उस नीति पर सवाल खड़े किए हैं, जिसमें गेंदबाज के पास यह अधिकार होता है कि किन मैचों में वह खेल सकता है। पूर्व खिलाड़ी ने रेवस्पोर्ट्स से कहा, श्मैं गेंदबाजों द्वारा टेस्ट मैचों को चुनने के पक्ष में नहीं हूं। अगर आप फिट और उपलब्ध हैं, तो आपको अपने देश के लिए सभी मैच खेलने चाहिए। बुमराह एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और वह भारत के लिए मैच जीत सकते हैं। लेकिन एक बार जब आप दौरे पर होते हैं, तो आपको हर मैच खेलना होता है। व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मैच चुनने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

गंभीर–अगरकर पर भड़के वेंगसरकर

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में खेला गया था। भारत को इस मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में बुमराह ने पांच विकेट झटके थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने वापसी की और 336 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि, इस मुकाबले में बुमराह नहीं खेले थे। तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, लेकिन भारत 22 रनों से हार गया। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बुमराह को चौथे टेस्ट में आराम मिल सकता है। वेंगसरकर ने आगे कहा, महत्वपूर्ण बात भारत के लिए खेलना है और अगर आप अनफिट हैं, तो बिल्कुल भी न खेलें।

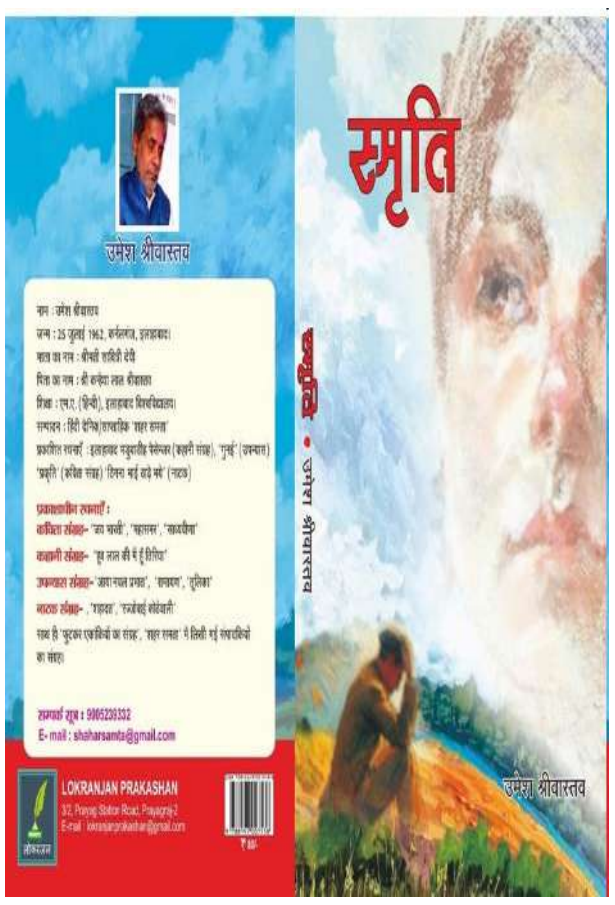

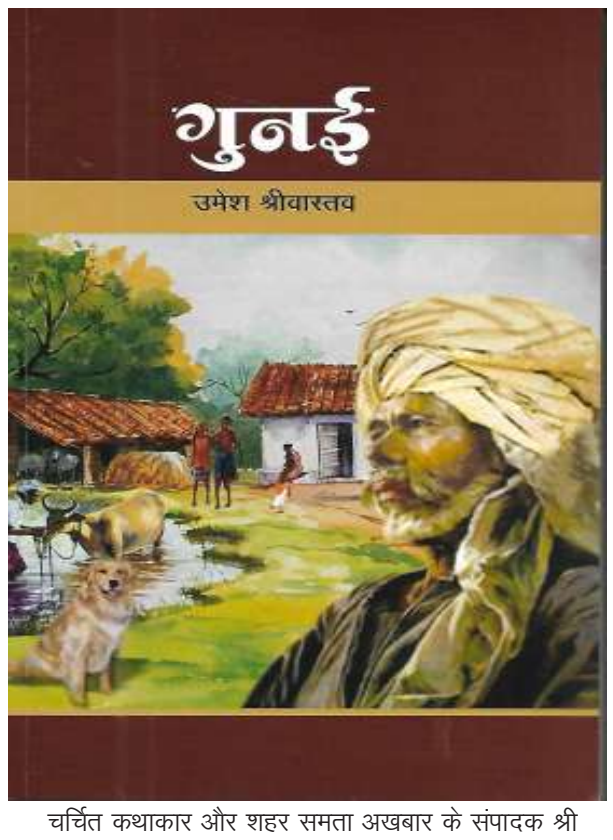

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

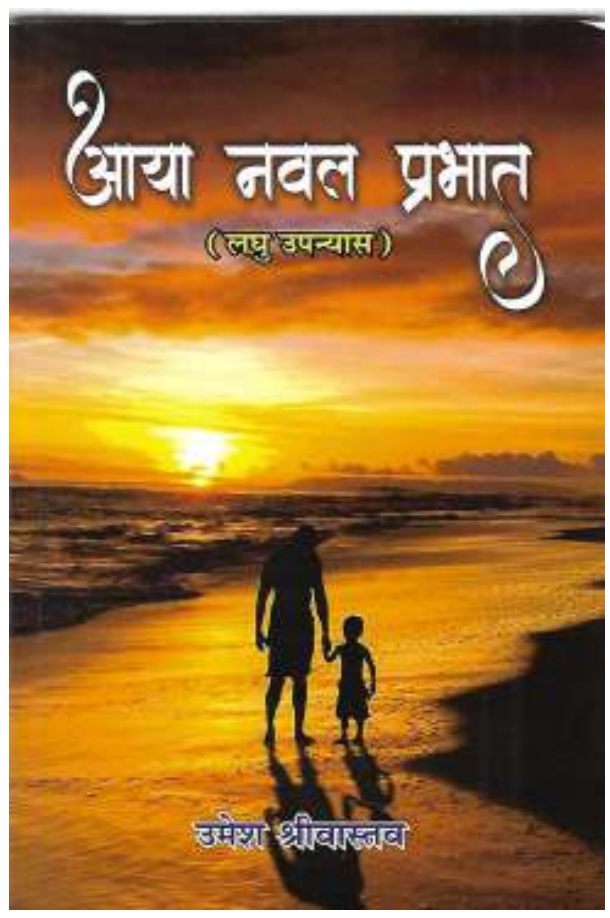

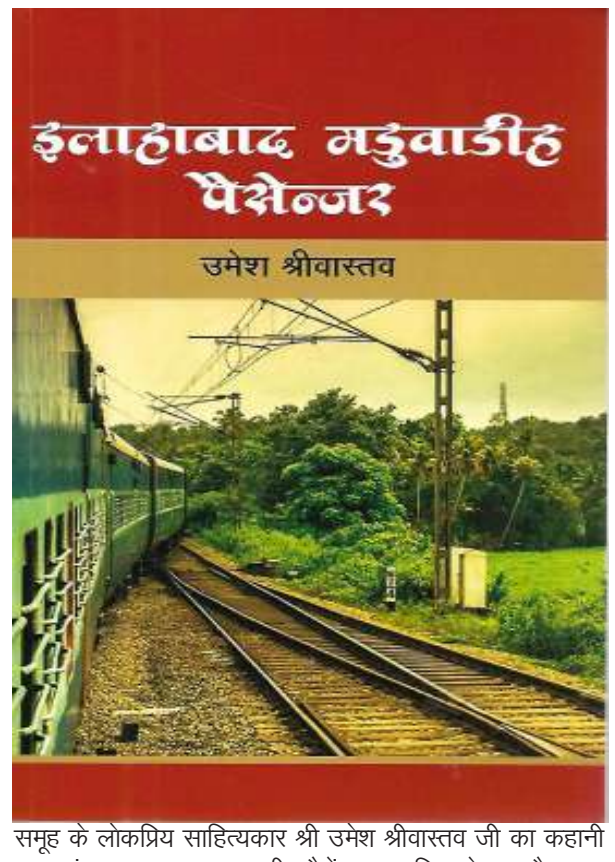

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

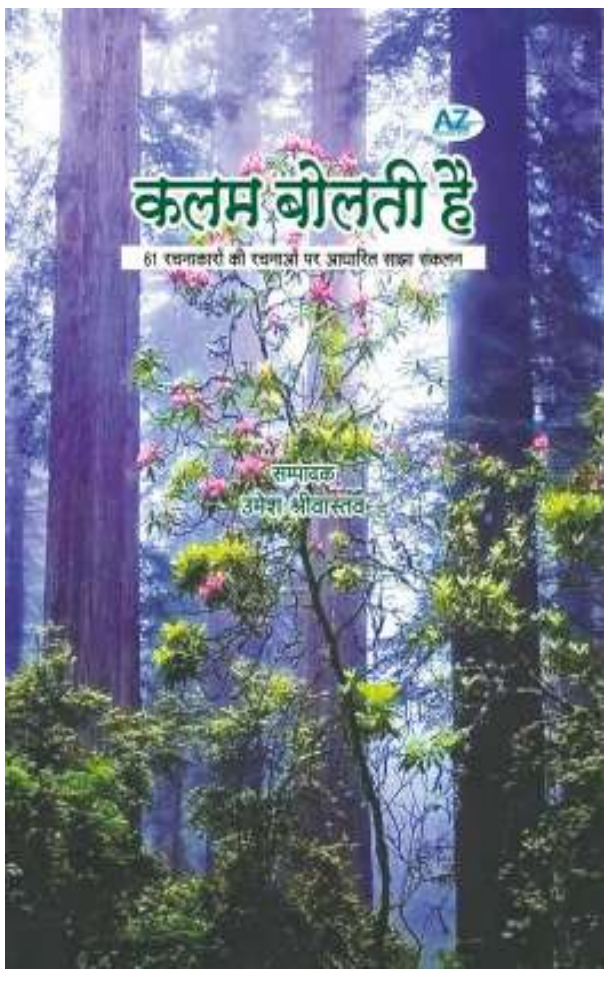

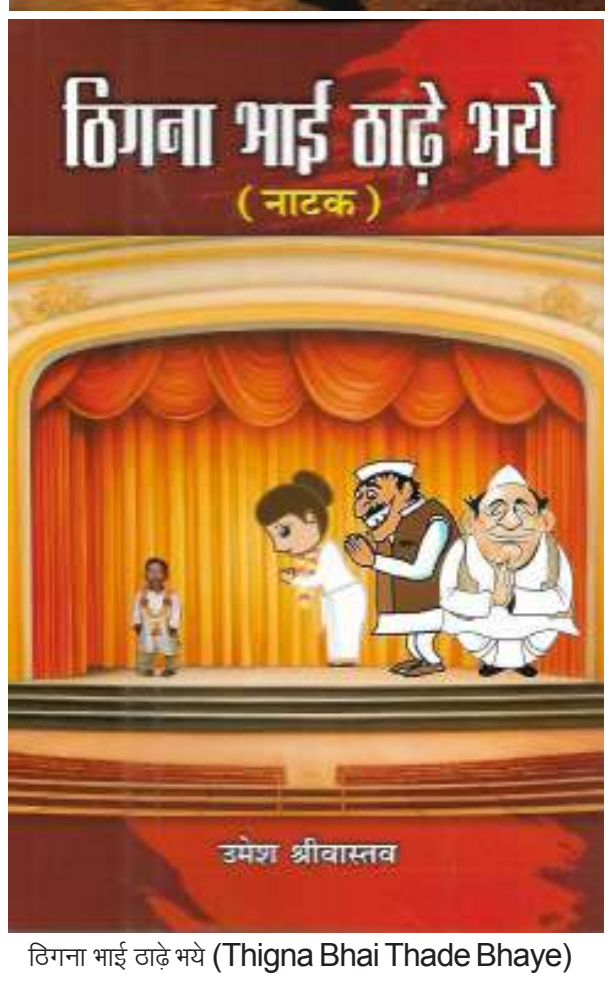

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने कोयला, लौह अयस्क, रासायनिक उद्योगों को नियामक राहत देने का निर्णय लिया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों, रासायनिक विनिर्माताओं और अन्य प्रदूषणकारी उद्योगों को दो वर्ष की नियामक छूट देने का निर्णय लिया है। ट्रंप पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन द्वारा लगाए गए नियमों को उलटना चाहते हैं, जिन्हें वे अत्यधिक बोझिल मानते हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार देर रात कई उद्योगों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते हुए छूट देने वाले आदेश जारी किए। ये आदेश कोयला आधारित

बिजली संयंत्रों, इस्पात निर्माण के लिए इस्तेमाल होने वाले टैकोनाइट लौह अयस्क की प्रसंस्करण इकाइयों तथा सेमीकंडक्टर और चिकित्सा उपकरणों को रोगाणुमुक्त करने में मदद करने वाले रासायनिक निर्माताओं पर लागू होंगे। व्हाइट हाउस ने बताया कि ये आदेश उन पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) मानकों के अनुरूप हैं, जो बाइडन प्रशासन द्वारा हाल के वर्षों में लागू किए गए नियमों से पहले थे। ट्रंप ने बाइडन के नियमों को महंगे और कई मामलों में अव्यवहार्य बताया। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कदम "महत्वपूर्ण उद्योगों को राष्ट्रीय सुरक्षा के समर्थन में बिना भारी लागत के निर्बाध रूप से संचालित करने" में मदद करेगा। ट्रंप का ईपीए पहले भी कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को प्रदूषण नियंत्रण नियमों से छूट दे चुका है। साथ ही ईपीए ने पारा, आर्सेनिक और बेंजीन जैसे विषैले रसायनों के उत्सर्जन को कम करने के नियमों से भी कई औद्योगिक प्रदूषकों को छूट देने का अवसर दिया था। पर्यावरण संगठनों ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की और इस संबंध में जारी नए ईमेल को "प्रदूषकों का पोर्टल" बताया, जो पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों से बचने में सैकड़ों कंपनियों की मदद कर सकता है। उनकी दलील है कि पारा बच्चों के मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है और इससे गर्भस्थ शिशुओं को जन्म दोष का खतरा होता है।

ब्रिटेन में अब 16 साल की उम्र में वोट करने का अधिकार, इन देशों में भी भारत से अलग है कानून

ब्रिटेन सरकार ने ऐलान किया कि अगले आम चुनाव से पहले देश में वोटिंग की उम्र 18 से घटाकर 16 साल कर दी जाएगी। यह कदम लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने के इरादे से उठाया गया है। स्कॉटलैंड और वेल्स में पहले ही 16–17 साल के युवा स्थानीय चुनावों में वोट डाल सकते हैं। अब ब्रिटेन ऑस्ट्रिया, इक्वाडोर और ब्राजील जैसे देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहां 16 साल में मतदान की अनुमति है। इतना ही नहीं, इन बदलावों के लागू होने के बाद, लोग मतदान से कम से कम 14 दिन पहले डाक से मतदान के लिए आवेदन कर सकेंगे। पहले यह समय सीमा 11 दिन थी। यह सुनिश्चित

करने के लिए कि लोगों को समय पर अपना मतपत्र मिल जाए। प्रस्तावित कानून ब्रिटेन भर में मतदान के अधिकार की आयु के संबंध में एकरूपता लाएगा। स्कॉटलैंड और वेल्स में, युवा पहले से ही न्यागत संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए मतदान कर सकते थे, लेकिन ब्रिटिश चुनावों में ऐसा नहीं है। यूरोप में केवल ऑस्ट्रिया, माल्टा, आइल ऑफ मैन और चौनल द्वीप समूह ने ही कम से कम 16 वर्ष की आयु के लोगों को मतदान का अधिकार दिया है। द गार्जियन के अनुसार, अन्य देशों में, ब्राज़ील, अर्जेंटीना और क्यूबा ने भी मतदान की आयु घटाकर 16 वर्ष कर दी है। जर्मनी, इज़राइल और एस्टोनिया के कुछ हिस्सों में 16 और 17 वर्ष के बच्चों को कुछ चुनावों में, यदि सभी नहीं, तो मतदान करने की अनुमति है। निकारागुआ में 16 वर्ष के बच्चों को मतदान करने की अनुमति है, जबकि इंडोनेशिया, पूर्वी तिमोर, इथियोपिया, उत्तर कोरिया और सूडान में मतदान की कानूनी आयु 17 वर्ष है।

ट्रंप की लोकप्रियता में आई गिरावट, नए सर्वे में लोग बोले– उनकी नीतियों ने दुखी किया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब छह माह पहले ही जोरदार बहुमत पाकर सत्ता हासिल की थी, लेकिन ट्रंप अपनी उस लोकप्रियता को बरकरार नहीं रख पाए हैं और ताजा सर्वे में उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। खासकर अप्रवासन नीति, सरकारी खर्च में कटौती और मेडिकेड जैसे मुद्दों पर लोगों में भारी नाराजगी है। यह सर्वे एसोसिएटेड प्रेस–एनओआरसी सेंटर द्वारा किया गया है। इस साल की शुरुआत में अप्रवासन के मुद्दे पर ट्रंप की जो रेटिंग थी, अब उसमें भी गिरावट आई है, जबकि अप्रवासन ऐसा मुद्दा है, जो ट्रंप की ताकत रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार `द रेजिस्टेंस फ्रंट' के खिलाफ बड़ा एक्शन, अमेरिका ने किया आतंकवादी संगठन घोषित

संयुक्त राज्य अमेरिका ने गुरुवार को प्रतिबंधित लश्कर–ए–तैयबा की एक शाखा, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित किया। टीआरएफ, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के लिए ज़िम्मेदार है जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई पहलगाम हमला मामले में न्याय संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि इससे पता चलता है कि भारत–अमेरिका आतंकवाद–रोधी सहयोग कितना मजबूत है।

रुबियो ने कहा कि विदेश मंत्रालय टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित करता है। रुबियो ने कहा कि टीआरएफ के खिलाफ यह कार्रवाई "हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा, आतंकवाद का मुकाबला करने और पहलगाम हमले में न्याय के राष्ट्रपति ट्रंप के रुख पर काम करने की प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।" उन्होंने कहा, "यह (पहलगाम हमला) 2008 में लश्कर–ए–तैयबा द्वारा किए गए मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर सबसे घातक हमला था। टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों के खिलाफ कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 में किया गया हमला भी शामिल है।

द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) क्या है?

द रेजिस्टेंस फ्रंट का गठन 2019 में लश्कर–ए–तैयबा के एक सहयोगी के रूप में किया गया था और केंद्र सरकार ने 2023 में इसे प्रतिबंधित कर दिया था। यह युवाओं की ऑनलाइन भर्ती, आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद करने और पाकिस्तान से जम्मू–कश्मीर में हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। TRF ने जम्मू–कश्मीर में नागरिकों, राजनीतिक नेताओं और सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर किए गए कई हमलों की ज़िम्मेदारी भी ली है। इसके संस्थापक और कमांडर शेख सज्जाद गुल को गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, TRF के अभियानों को पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस का समर्थन प्राप्त है, जो कश्मीर क्षेत्र को अस्थिर बनाए रखने की अपनी रणनीति के तहत इस समूह का इस्तेमाल करती है।

22 अप्रैल को मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन घाटी में हुआ यह हमला 2019 के पुलवामा बम विस्फोट के बाद से कश्मीर में नागरिकों पर सबसे बड़ा आतंकी हमला बताया जा रहा है।

पहलगाम हमले पर ट्रंप ने मानी भारत की बात तो खुश हुए जयशंकर, कहा- आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को आतंकवादी संगठन घोषित करने के अमेरिकी सरकार के फैसले का स्वागत किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) इकाई घोषित किया है, जिसने जम्मू–कश्मीर में घातक पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान में स्थित लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े संगठन को प्रतिबंधित घोषित करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की विशेष रूप से सराहना की। विदेश मंत्री ने कहा, लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के मुखौटा संगठन टीआरएफ को वैश्विक आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से प्रतिबंधित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित करने के लिए विदेश मंत्री मार्को रूबियो और अमेरिकी विदेश मंत्रालय की सराहना करता हूं। इस संगठन ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। टीआरएफ और इससे जुड़े अन्य संगठनों को लश्कर–ए–तैयबा के नाम के साथ विदेशी आतंकवादी

संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में शामिल किया गया है। यह क्रमशः आव्रजन एवं राष्ट्रीयता अधिनियम की धारा 219 और शासकीय आदेश 13224 के तहत किया गया है। विदेश मंत्रालय ने लश्कर–ए–तैयबा की एफटीओ के रूप में स्थिति की भी समीक्षा की है और उसे बरकरार रखा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि टीआरएफ के खिलाफ यह कार्रवाई हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा, आतंकवाद का मुकाबला करने और पहलगाम हमले में न्याय के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर काम करने की प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस संगठन ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह टीआरएफ को प्रतिबंधित वैश्विक आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से प्रतिबंधित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की सूची में शामिल कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि टीआरएफ ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों के खिलाफ कई हमलों की भी जिम्मेदारी ली है, जिसमें हाल में 2024 में हुआ हमला भी शामिल है।

भारतीय मूल के व्यवसायी पर अमेरिका में वीजा धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन। अदालत में दाखिल किए गए दस्तावेजों के मुताबिक, कैलिफोर्निया के ओकडेल निवासी चंद्रकांत पटेल, चाड डॉयल, ग्लिन डिक्सन, टेबो ओनिशिया और सिटी मार्शल माइकल स्लेनी पर बुधवार को ला–फेयेट में अभियोग लगाया गया। उन पर अमेरिकी सरकार के यू वीजा कार्यक्रम के तहत अप्रवासियों के वीजा दावों का समर्थन करने के लिए झूठी अपराध रिपोर्ट बनाने का आरोप लगाया गया था। दस्तावेजों के मुताबिक, अप्रवासियों ने भारतीय मूल के व्यवसायी चंद्रकांत पटेल से संपर्क किया ताकि पुलिस रिपोर्ट में उनका नाम पीड़ितों के रूप में दर्ज किया जा सके। ताकि वे यू वीजा के लिए आवेदन कर सकें। उन्होंने खुद को डकैती का पीड़ित बताने के लिए उसे कहा था। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की वेबसाइट पर यू–वीजा के बारे में जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक, यू वीजा उन अप्रवासियों के लिए तय किया गया है जो अपराध पीड़ित हों जिन्होंने मानसिक या शारीरिक शोषण का सामना किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।